राष्ट्र का एकमेव... महात्मा गांधी के सिद्धांतों का संवाहक

लोक सदन

कोरबा से प्रकाशित प्रातः दैनिक

डाक पंजीयन क्रमांक
जी 2-112/सीजी/बी.एल.पी./072/2025-27

(संपादकीय 9752527100 8770646952)

आर.एन.आई.रजि. क्र.
(CHHHIN/2010/33639)

कोरबा, गुरुवार 19 मार्च 2026
कुल पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रु.
वर्ष - 16
अंक - 296
Epaper : www.loksadan.com
Email : loksadan@gmail.com

वर्मा जी बनाम भौकाल

18 दिन हो गए न?

नीरव वर्मा
विशाखापटनम

आज नखड़ूवा गिनती गिनते हुए चौपाल में दाखिल हुआ। वर्मा जी, सत्रह अठारह। कुल अठारह दिन हो गए न इस ईरान और अमेरिका इजराइल वाले युद्ध के? हाँ, हो गए। पर तू दिन क्यों गिन रहा है? वो इसलिए कि मुझे याद है कि महाभारत का युद्ध 18 दिनों में खत्म हो गया था, नखड़ूवा झेंपते हुए बोला। वर्मा जी मुस्कुराए। ठीक कहता है नखड़ूवा पर तू भूल, गया कि महाभारत का 18 दिनों तक चलने वाला कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों की 11 अक्षौहिणी सेना और पांडवों की 7 अक्षौहिणी सेना के बीच धर्म की स्थापना के लिए लड़ा गया था। भगवान श्रीकृष्ण की उपस्थिति में यह युद्ध भीष्म पितामह के पतन से शुरू होकर 18 वें दिन दुर्योधन के वध और पांडवों की विजय के साथ समाप्त हुआ। यह विजय नैतिक, सामरिक और मानवीय शिक्षाओं का प्रतीक बना। इस युद्ध के विषय में पढ़कर और जानकर शायद ही कोई बिरला मनुष्य ऐसा मिल जाये जो कौरवों को सही बताए। सभी लोग पांडवों के पक्ष में ही बोलेंगे। पर तू आज चल रहे जिस युद्ध की बात कर रहा है उसमें दोनों पक्षों की तरफ से बात करने वाले लोग बहुतायत में मिल जाएँगे। तू अठारह दिन में ही घबरा गया। लगता है तेरी घरवाली न्यूज में गैस सिलिंडर की खबरें सुनकर घबरा गई है और तूने अठारह दिन वाला जाप शुरू कर दिया। अभी जो रूस और यूक्रेन में युद्ध चल रहा है, याद भी है कितने दिन हो गए। हाँ वर्मा जी दो तीन साल तो हो ही गए लगते हैं। नखड़ूवा ने अनुमान लगाया। वर्मा जी फिर मुस्कुराए। जानता है, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध की वास्तविक शुरुआत के बारह वर्ष, रूस द्वारा पूर्ण आक्रमण शुरू किए जाने के चार वर्ष और डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा सुलह के लिए मध्यस्थता शुरू किए जाने के एक वर्ष बीत चुके हैं। 1945 के बाद से यूरोप में सबसे बड़े और सबसे खूनी युद्ध के रूप में यह संघर्ष उभरा है। हाँ हम पर इस युद्ध का कोई डाइरेक्ट एफेक्ट उतना नहीं पड़ा जितना ईरान के इस युद्ध में हुआ है। हाँ वो तो सही है, वर्मा जी। परंतु युद्ध के भी कुछ नियम होते तो ठीक रहता। इस बार वर्मा जी हंस पड़े। जानता है महाभारत के युद्ध में भी नियम बनाए गए थे जैसे युद्ध सिर्फ सूर्योदय से सूर्यास्त तक होंगे और समान कुशलता वाले योद्धा ही आपस में लड़ेंगे। परंतु युद्ध की समाप्ति तक सब नियमों की धज्जियां उड़ गईं। पांडव पुत्रों को रात के समय, सोते हुए, की गई हत्या ने नियमों को शर्मसार कर दिया। नखड़ूवा ने भी अपना ज्ञान उड़ेला। हाँ, शायद उसी घटना के बाद ये कहावत निकली होगी कि एवेरी थिंग इज फेयर इन लव एंड वार। वर्मा जी भी हंस पड़े। तुझे समझना पड़ेगा कि आजकल के युद्ध नव-साम्राज्यवादी युद्ध है। एक बड़ा शक्तिशाली देश अपनी वर्चस्वता बनाए रखने के लिए ऐसे युद्ध शुरू करता है। इस युद्ध में बड़े देश के जीत की संभावना भी कम ही रहती है क्योंकि छोटे देश को उसकाने वाले भी बहुत होते हैं और लड़ाई जारी रहती है।

इस युद्ध से पूरे विश्व को विशेषकर कई देशों की व्यापक रणनीतिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। यदि बातचीत हो तो भी बातचीत में बहुत कम प्रगति हो रही है। मेरा तो पूर्वानुमान है कि युद्ध जारी रहेगा, इसी से तू सत्रह अठारह गिनना बंद कर, दैनिक चुनौतियों को सुलझाने के बारे में सोच। वर्मा जी ने फाइनली कॉन्क्लूड किया।

मुख्यधारा की ओर लौटता विश्वास

140 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

लोकसदन >> रायपुर। छत्तीसगढ़ में शांति, विकास और विश्वास की नई तस्वीर सामने आई है। बीजापुर और कांकेर जिलों से आए 140 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने आज विधानसभा परिसर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर मुख्यधारा में लौटने की खुशी साझा की।

मुख्यमंत्री ने आत्मसमर्पित नक्सलियों से आत्मसमर्पण से पहले के जीवन और वर्तमान परिस्थितियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। संवाद के दौरान नक्सलियों ने बताया कि अब उनका जीवन पूरी तरह बदल चुका है-जहां पहले वे जंगलों में असुरक्षा और भय के बीच जीवन बिताते थे, वहीं अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्रों में अब सड़कों, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे जीवन आसान हुआ है। कुछ आत्मसमर्पित नक्सलियों ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने पहली बार होली जैसे त्योहार को परिवार के साथ मनाया-यह उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी का मुख्यधारा में स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय केवल व्यक्तिगत बदलाव नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि संविधान पर विश्वास जताकर सभी ने एक सकारात्मक और प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक पुनर्स्थापन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलवाद उन्मूलन के संकल्प को शीघ्र ही पूर्ण किया जाएगा।

इस अवसर पर गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक भी उपस्थित थीं।

चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, तीन बच्चों समेत परिवार के सात लोगों की मौत

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम इलाके के साध नगर में बुधवार सुबह एक इमारत में भीषण आग लगने से तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आग लगने के समय एक ही परिवार के नौ सदस्य घर के अंदर फंसे हुए थे। अधिकारी ने कहा, आग एक ऐसी इमारत में लगी जिसमें बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और चार मंजिलें थीं, तथा छत पर टिन का अस्थाई शेड बना हुआ था। बेसमेंट, ग्राउंड और पहली मंजिल पर कपड़े और कॉस्मेटिक्स रखे गए थे, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल का उपयोग रहने के लिए किया जाता था।

अधिकारी ने पुष्टि किया कि इस घटना में तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दो लोगों ने जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी, जिन्हें घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारी ने यह भी बताया कि अभी कूलिंग और तलाश अभियान जारी है। स्थानीय पुलिस थाने की टीम भी अग्निशमन विभाग की मदद कर रही है।

मृतकों के परिजनों के लिए 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा

दिल्ली सरकार ने पश्चिमी दिल्ली के पालम इलाके में बहुमंजिला आवासीय इमारत में लगी भीषण आग की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं तथा मृतकों के परिजन को दस दस लाख वित्तीय सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस हादसे में हुई मासूमों की मौत को हृदयविदारक बताते हुए आज पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने इस अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी के पालम इलाके में भीषण अग्निकांड में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, मोदी ने प्रत्येक मृतक के निकटतम संबंधी को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है।

बहुचर्चित नसबंदी कांड में

11 साल 4 महीने बाद आया फैसला, डाक्टर को मिली सजा

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पेंडारी नसबंदी कांड में 11 साल 4 महीने बाद जिला अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. आरके गुप्ता को लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या का दोषी पाते हुए 2 साल की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। उक्त फैसला एडीजे शैलेश कुमार की कोर्ट ने सुनाया है।

बता दें कि नवंबर 2014 में जिले के तखतपुर ब्लॉक में नसबंदी शिविर लगा था। जहां सरकारी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सिर्फ 3 घंटे के भीतर 83 ऑपरेशन कर दिए गए थे, जिसके बाद 15 माताओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक महिलाएं अस्पताल पहुंच गई थीं। इस कांड ने न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। बताया जाता है कि डॉक्टर गुप्ता पर आरोप था कि उन्होंने बिना किसी सुरक्षा मानक के मशीनी अंदाज में एक प्रशिक्षु के साथ मिलकर औसतन हर 2 मिनट में एक महिला का ऑपरेशन किया। शिविर में शाम होते तक महिलाओं को उल्टी, तेज बुखार और दर्द शुरू हो गया। देखते ही देखते सिम्स और अपोलो अस्पताल में दर्द से तड़पती महिलाओं की लाईन लग गई थी।

मामले की जांच में पुलिस ने सिप्रोसिन दवा में चूहामार दवा (जिंक फास्फाइड) की मिलावट का दावा किया था। दवा सप्लाई करने वाली कंपनी के संचालकों को भी आरोपी बनाया गया था, हालांकि, अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है।

यूएई से 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा भारतीय टैंकर 'जग लाडकी'

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से करीब 81 हजार टन कच्चा तेल लेकर एक भारतीय टैंकर 'जग लाडकी' बुधवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचा। बंदरगाह की संचालक कंपनी अडानी पोर्ट्स ने बताया कि 274.19 मीटर की लंबाई वाले और 50.04 मीटर चौड़े हल वाले इस टैंकर में 80,886 टन कच्चा तेल लाया गया है। यह यूएई के फुजैरा बंदरगाह से तेल भरकर रवाना हुआ था।

अडानी पोर्ट्स ने कहा है कि इस खेप से बड़ी तेल शोधन कंपनियों को आपूर्ति जारी रखने में मदद मिलेगी जो पश्चिम एशिया में जारी व्यवधान के बीच देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में मुंद्रा बंदरगाह की भूमिका को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ईरान के खिलाफ अमरीका और इजरायल की संयुक्त सैन्य कार्रवाई तथा ईरान द्वारा जवाबी हमले से पश्चिम एशिया से और पश्चिम एशिया के रास्ते आने वाली आपूर्ति प्रभावित हुई है। ऐसे में कच्चे तेल की और दूसरे पेट्रोलियम उत्पादों की हरेक खेप का महत्व बढ़ गया है।

ईवी कार की चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

परिवार के 6 लोगों की मौत

लोकसदन, इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के इंदौर में आज एक भीषण हादसे में एक घर में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई, वहीं तीन लोग घायल हैं। हादसे के बारे में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने बताया कि तड़के लगभग चार बजे इस हादसे के बारे में सूचना मिलते ही लगभग 10 से 15 मिनट के भीतर बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गया था। आग मकान की दूसरी मंजिल तक फैल गई थी। हादसे में 3 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन छह लोगों की मृत्यु हो गई। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि आग ईवी चार्जिंग प्वाइंट से लगी। ऐसा माना जा रहा है कि घर के दरवाजों में इलेक्ट्रॉनिक लॉक लगा था, जो विस्फोट के बाद फैली आग के कारण खुल नहीं पाया और घर के लोग आग की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार घर के बाहर एक ईवी कार चार्ज हो रही थी, जिसके चार्जिंग प्वाइंट में विस्फोट के कारण आग लगी। घर के अंदर लगभग 10 गैस सिलेंडर भी रखे हुए थे, जिनमें से कुछ में विस्फोट हो गया, जिसके कारण आग बहुत तेजी से फैली।

भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत बनेंगे 100 नये विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 33,660 करोड़ रुपये की भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) को मंजूरी प्रदान कर दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके तहत देश भर में 100 प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जायेगा जिससे विनिर्माण को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि हर औद्योगिक पार्क 100 एकड़ से 1,000 एकड़ के क्षेत्रफल में होगा। पूर्वोत्तर राज्यों और पर्वतीय इलाकों के लिए न्यूनतम 25 एकड़ की सीमा रखी गयी है। केंद्र सरकार प्रति एकड़ एक करोड़ रुपये की वित्तीय मदद देगी जिससे पार्कों के अंदर सड़कें, भूमिगत यूटिलिटी सुविधाएं, नाली, साझा ट्रीटमेंट संयंत्र और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा प्रशासनिक तंत्र तैयार किये जायेंगे। साथ ही निवेशकों के लिए फैक्ट्री शेड, जांच प्रयोगशालाएं और वेयरहाउस भी पहले से तैयार होंगे। श्रमिकों के रहने के लिए घर और अन्य सहायक सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक की केंद्रीय मदद बाह्य बुनियादी ढांचों के लिए दी जायेगी।

वैष्णव ने कहा कि सरकार की नीतियों में स्थिरता, प्रतिभा भंडार और डिजाइनिंग की क्षमता के दम पर भारत विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन कर उभरा है। प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्कों से 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'मेक इन इंडिया' को समर्थन मिलेगा और विशेषकर युवा वर्ग को काफी लाभ होगा।

म्यांमार आतंकी कनेक्शन में सात विदेशी नागरिक गिरफ्तार

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सात विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह यूक्रेनी नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। इन पर म्यांमार में आतंकी गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण देने का आरोप है। एनआईए के अनुसार, सभी आरोपी अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और म्यांमार में हथियार चलाने तथा ड्रोन ऑपरेशन का प्रशिक्षण देने में कथित रूप से शामिल थे। जांच में यह भी सामने आया है कि प्रशिक्षण में इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन यूरोप से खरीदे गए थे। आरोपियों को विशेष एनआईए अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 11 दिनों की हिरासत में भेज दिया गया है।

अदालत को हुक्म न दें... आई-पीएसी रेड मामले में ममता सरकार पर फूटा सुप्रीम कोर्ट का गुस्सा

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आई-पीएसी मामले में बंगाल सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य में ईडी की छापेमारी में बाधा डालना अच्छी स्थिति नहीं है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और एनवी अंजारी की बेंच ने कहा कि ऐसे मामलों में केंद्रीय जांच एजेंसियों को बिना किसी उपाय के नहीं छोड़ा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि मामला यह है कि कोई मुख्यमंत्री कथित तौर पर सरकारी कार्यालय में घुसकर केंद्रीय सरकारी एजेंसी के काम में दखल देता है। ऐसे में उपाय क्या है? अगर कोई दूसरा मुख्यमंत्री फिर से ऐसा करे तो क्या होगा? हमें एक ऐसी स्वाभाविक स्थिति का सामना करना होगा जिसमें कोई न कोई उपाय होना चाहिए। कोर्ट ने संकेत दिया कि वह ऐसी स्थितियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर सकता है। बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि संविधान में इसका समाधान मौजूद है। उन्होंने सुझाव दिया कि विभागों द्वारा स्वतंत्र रूप से कार्य करने और रिट याचिका दायर करने के बजाय केंद्र सरकार उचित कार्यवाही शुरू कर सकती है।

आई-पैक मामला क्या है?

सुप्रीम कोर्ट ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि ममता बनर्जी और सरकार ने 8 जनवरी को कोलकाता स्थित राजनीतिक सलाहकार फर्म आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर हुई छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप किया था। ये छापेमारी कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में की गई थी। 8 जनवरी को उस समय काफी नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब बनर्जी छापेमारी के दौरान जैन के आवास पर पहुंचीं और लैपटॉप, फोन और कई फाइलें लेकर बाहर निकलीं। इसके बाद वह सीधे आई-पैक के सॉल्ट लेक स्थित कार्यालय गईं, जहां ईडी की दूसरी टीम तलाशी ले रही थी, और वहां से कई फाइलें लेकर बाहर आईं। ईडी ने इसे सत्ता का घोर दुरुपयोग बताया। हालांकि, ममता बनर्जी ने दावा किया कि ये छापे राजनीतिक रूप से प्रेरित थे और भाजपा द्वारा बंगाल में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले रचे गए थे। बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होने हैं।

आप हमें हुकुम नहीं दे सकते

अब सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई की बात करते हैं। शुरुआत में ही अदालत ने बंगाल की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें ईडी की याचिका पर सुनवाई स्थगित करने की मांग की गई थी। बंगाल की ओर से पेश हुए वकील दीवान ने ईडी द्वारा दायर जवाबी हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। हालांकि, ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस अनुरोध का तुरंत विरोध किया। उन्होंने इसे सुनवाई में देरी करने की चाल बताया और कहा कि ईडी का जवाब चार हफ्ते पहले दाखिल किया जा चुका है। पीठ ने कार्यवाही जारी रखने का फैसला किया। इस पर दीवान ने कहा कि अगर अदालत ईडी के जवाब को नजरअंदाज कर दे तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा, हम किसी भी बात को क्यों नजरअंदाज करें? आप हुकुम नहीं दे सकते। हम रिकॉर्ड में मौजूद हर बात पर विचार करेंगे। मामले की सुनवाई अगले हफ्ते जारी रहेगी।

जल उत्सव पखवाड़ा

खपरी गांव में जल संरक्षण, स्वच्छता और गुणवत्ता पर जागरूकता का संदेश

लोकसदन >> बिलासपुर। जिले के बिल्हा विकासखंड अंतर्गत ग्राम खपरी में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत ''जल उत्सव पखवाड़ा'' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कलेक्टर महोदय के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को जल संरक्षण की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

गांव में जनसभा का आयोजन कर जल की महत्ता एवं उसके संरक्षण और संधारण पर चर्चा की गई। इस अवसर पर एफ.टी.के. किट के माध्यम से जल गुणवत्ता की जांच करने की विधि का प्रदर्शन भी किया गया, जिससे ग्रामीणों को स्वयं पानी की शुद्धता परखने की जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में गांव की जल वाहिनी रंगमति, सुलोचना बाई, देवकी दीदी एवं वी.डब्ल्यू.एस.सी. की महिला सदस्यों को 'हर घर जल' प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण, योजना के संचालन एवं संधारण, सोखता गड्ढा निर्माण, हैंडपंप एवं रनिंग वाटर सप्लाई के रख-रखाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देते हुए जल जीवन मिशन के प्रति स्वामित्व की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया।

जल जीवन मिशन न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण का भी प्रभावी माध्यम बन रहा है। पहले जहां महिलाओं को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था, वहीं अब अधिकांश घरों तक नल कनेक्शन पहुंचने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से जल प्रबंधन अधिक प्रभावी और टिकाऊ बन रहा है। इससे न केवल जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व एवं निर्णय लेने के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK (Scheduled Bank Owned by Government)
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone : 6232032901 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

अचल सम्पत्ति ई-नीलामी सूचना : जहाँ है एवं जैसी है स्थिति में (नीलामी तिथि 24/04/2026)

अधोहस्ताक्षरकर्ता **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं धारा 13(4) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न दर्शित ऋणी के स्वामित्व वाली सम्पत्ति जिसका अधिग्रहण **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के द्वारा कर लिया गया है, ऋणी से देय राशि वसूली हेतु सम्पत्ति ई-नीलामी, सीलबंद निविदा के रूप में आमंत्रित करता है एवं ऋण ग्रहिताओं को विशिष्टतः और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के प्रभार के अधीन होगा।

ऋणी एवं शाखा की जानकारी	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि	कब्जा तिथि/ कब्जा का प्रकार	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि/ बोली वृद्धि राशि
ऋणी- मेसर्स ओएसआर एसोसियेट्स, साझेदार- 1. श्रीमती उर्मिला सिंह पति धरमनाथ सिंह. 2. श्री रवि सिंह पुत्र धर्मनाथ सिंह, पताः मकान नं. S4/G22, वसुंधरा विहार कॉलोनी, गोधनपुर, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.) -497001, **शाखाः अंबिकापुर (छ.ग.)**	**संपत्ति स्वामी का नामः श्रीमती उर्मिला सिंह पत्नी श्री धर्मनाथ सिंह** की भूमि, प्लॉट नं./खसरा नं. 1378/03, क्षेत्रफल 0.048 हेक्टेयर, स्थित ग्राम एवं पोस्ट- सूरजपुर, प.ह.नं. 08, आरएनएम- सूरजपुर, तहसील- सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ.ग.) **संपत्ति की चौहद्दीः (नजरी नक्शा अनुसार): उत्तर-** साकेत साहू की भूमि, **दक्षिण-** सौरभ जिंदिया की भूमि, **पूर्व-** पक्का सड़क, **पश्चिम-** साकेत साहू की भूमि।	17/05/2025	29/10/2025 प्रतिकात्मक	₹ 86,52,229.00 (दिनांक 17.05.2025 की मांग सूचना अनुसार) + आगे का ब्याज एवं प्रभार, वसूली समायोजन के अधीन	₹ 27,05,000/-	₹ 2,70,500/- ₹ 27,050/-

ई-नीलामी की शर्तें:- (1) ई-नीलामी **''जहां है जैसा है एवं जो कुछ भी है''** के आधार पर भार सहित (अगर कोई हो) की जायेगी। बैंक की जानकारी एवं सूचना के अनुसार संपत्ति पर कोई भार नहीं है। भार के विवरण हेतु अधोहस्तारकर्ता से धरोहर राशि जमा करने के पूर्व सम्पर्क करें। नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com** के माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। **(2)** आरक्षित मूल्य कम की निविदा/आफर स्वीकार नहीं किये जाएंगे। **(3) संपत्ति निरीक्षण दिनांक 21/03/2026** से **21/04/2026, सुबह** 11.00 से सायं 4.00 बजे तक संबंधित शाखा प्रबंधक की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है। **(4)** इच्छुक निविदाकर्ता धरोहर राशि **(EMD)** आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत का भुगतान डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से, जो कि प्राधिकृत अधिकारी **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त संबंधित शाखा के पक्ष में देय हो, जो दिनांक **21/03/2026** को सुबह 10.00 बजे से **21/04/2026** सायं बजे 4.00 तक जमा करें अथवा आनलाईन भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी/फण्ड ट्रांसफर के माध्यम से उपरोक्त वर्णित खातों में किया जा सकता है। **(5)** सफल खरीददार के पक्ष में विक्रय की पुष्टि सिक्योर्ड क्रेडिटर की पुष्टि के अधीन होगी। **(6)** ऑन लाईन नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक बोलीकर्ताओं के पास डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर जिस दिन धरोहर राशि जमा की हो उसी दिन डिजिटल सिग्नेचर प्राप्त करने हेतु सर्विस प्रदाता से संपर्क करें। इच्छुक निविदाकर्ता से अनुरोध किया जाता है कि वे स्वयं को वेब पोर्टल **www.baanknet.com** में नाम पंजीकृत करवाए और लॉग इन आईडी और पासवर्ड प्राप्त करें। **(7)** ईएमडी जमा करने के पश्चात इच्छुक खरीददार को **दिनांक 23/04/2026** को सायं 5.00 बजे तक या उससे पहले निम्नांकित दस्तावेज अनिवार्य रुप से जमा करना होगा। **अ.** ईएमडी राशि का डिमांड ड्राफ्ट/पे आर्डर या यूटीआर नं. अगर भुगतान आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से किया गया हो तो। **ब.** पेन कार्ड की फोटोकापी/पहचान पत्र एवं पते का प्रमाण पत्र। **स.** इच्छुक खरीददार का नाम, सम्पर्क सूत्र एवं ई-मेल आईडी। **द.** इच्छुक खरीददार के बैंक खाते का पूरा ब्यौरा (नीलामी प्रकिया में असफल होने पर टोकन रकम की वापसी) **। (8)** बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत जिसमें ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम भी शामिल है तुरंत जमा करेंगे एवं शेष 75 प्रतिशत राशि का 15 दिन के अंदर भुगतान करेंगे। निर्धारित समयावधि में शेष राशि जमा न करने की स्थिति में बोलीकर्ता द्वारा जमा राशि बिना किसी सूचना के जप्त कर ली जावेगी। **(9)** सफल बोलीकर्ता को स्टाम्प ड्यूटी से संबंधित सभी खर्च/फीस पंजीयन शुल्क ट्रांसफर शुल्क एवं अन्य तात्कालिक खर्चें इत्यादि वहन करने होंगे। **(10)** यहां संपत्ति की विक्रय राशि रु. 50 लाख या उससे ऊपर हो उस परिस्थिति में नीलामी खरीददार को विक्रय राशि का 1 प्रतिशत टी.डी.एस. का भुगतान करना होगा तथा टीडीएस सर्टिफिकेट की मूल प्रति बैंक में जमा करनी होगी। **(11)** अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त संबंधित शाखा से सम्पर्क करें या ईमेल करें **eauction@ccsl.co.in** अथवा सर्विस प्रदाता **M/s PSB Alliance (baanknet), Contact No:: 8291220220, Help Line E-mail ID ::- support.baanknet@psballiance.com, Website: https://baanknet.com** पर संपर्क करें।

सूचना- अंतिम मिनिट एवं सेकेण्ड में बिड करने से बचे। छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक एवं सेवा प्रदाता किसी बंद/त्रुटि इंटरनेट बंद/लाईट जाने आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। इन स्थितियों से बचने हेतु एवं आपातकालीन परिस्थितियों हेतु निविदाकर्ता से निवेदन है कि वे सभी आवश्यक प्रबंध/विकल्प अपने पास रखें। जैसे कि बैकअप पावर सप्लाई आदि जिससे वे ई-नीलामी में सफलता पूर्वक भाग ले सकें। (नोटः नीलामी की प्रक्रिया डीआईसी के नियम एवं शर्तों के तहत होगी।)

दिनांकः 18.03.2026 **प्राधिकृत अधिकारी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय- अंबिकापुर**

रुपये मांगने आए युवक की हत्या कर कुएं में फेंका था शव, हत्यारे को मिली आजीवन कारावास की सजा

लोकसदन >> अंबिकापुर। प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ममता पटेल की अदालत ने हत्या और साक्ष्य छिपाने के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी ने हत्या के बाद मृतक के शव के गले व पैर के पास पत्थर बांध कर शव को कुएं में फेंक दिया था।

अतिरिक्त लोक अभियोजक विवेक सिंह ने बताया कि घटना अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चिखलाडीह नर्मदापारा की है। यहां के रहने वाले आरोपी संजीव दास उर्फ संचु पनिका के घर कोई गंभीर घटना होने की जानकारी बीते सात जून 2023 को गांधीनगर पुलिस को मिली थी।

गांधीनगर पुलिस की टीम आरोपी के घर पहुंची, तो फर्श और दीवार पर कई स्थानों पर खून के छींटे नजर आए। घर की मिट्टी से लिपाई भी कर दी गई थी। पुलिस का संदेह गहरा गया था। पुलिस ने आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ की, तो पता चला कि संजीव दास ने घटना से तीन दिन पहले चार जून की रात खेत की ओर कई बार आना-जाना किया था।

इसी जानकारी पर ग्रामीणों के साथ पुलिस टीम खेत की ओर गई, तो आलम साय के कुएं से शव बरामद हुआ था। शव पर पत्थर बंधे हुए थे। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया था। मृतक की पहचान कबाड़ी का काम करने वाले सुधीर साव के रूप में की गई थी।

पुलिस ने जांच शुरू की। पता चला कि आरोपी संजीव दास ने कबाड़ी सुधीर साव से रुपये उधार में लिए थे। 4 जून 2023 को सुधीर उधार के रुपये लेने आरोपी के पास गया था। यहां आरोपी ने उसके साथ मारपीट की थी। मारपीट होता देख संजीव दास के रिश्तेदार भाग गए थे।

पुलिस ने आरोपी संजीव दास के विरुद्ध हत्या तथा साक्ष्य छिपाने की धाराओं के तहत अपराध पंजीकृत किया था। न्यायालय में चालान प्रस्तुत होने के बाद प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ममता पटेल की अदालत में प्रकरण की सुनवाई हुई। सारे तथ्यों की जांच और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर आरोपी संजीव दास को हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं का दोषी पाया गया। हत्या के आरोप में उसे आजीवन कारावास तथा साक्ष्य छिपाने के आरोप पर पांच वर्ष कारावास की सजा सुनाई गई। आरोपी को अर्थदंड भी दिया गया है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया मुख्य शाखा, अंबिकापुर (छ.ग.)
Central Bank of India Main Branch, Ambikapur (C.G.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
ऋणी- श्री कमलेश कुमार गुप्ता, महाराजा गली, केदारपुर, अंबिकापुर 497001. **गारंटर- श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी गणेश प्रसाद गुप्ता,** महाराजा गली, केदारपुर, अंबिकापुर पिन- 497001.	प्लॉट नं./ सर्वे नं. 470/5, मौजा- देवीगंज रोड, नजुल शीट नंबर 02, ब्लॉक एवं तहसील- अंबिकापुर, जिला- सरगुजा, छत्तीसगढ़ पिन- 497001, क्षेत्रफल- 1,666 वर्गफीट में स्थित जमीन, बिल्डिंग, सुपर स्ट्रक्चर, आम रास्ते और बैंक की सिक्योर्ड एसेट सहित समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दीः उत्तर-** श्रीमती सुलोचना देवी की भूमि, **दक्षिण-** देवीगंज रोड, **पूर्व-** श्रीमती सुलोचना देवी की भूमि, **पश्चिम-** गणेश राम गुप्ता।	**OVER DRAFT** **₹ 15,00,000.00** दिनांक **08/03/2026** तक कुल देय धनराशि **₹ 10,64,543.57** NPA Dt. **30/01/2026**

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य शाखा, अंबिकापुर (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित (ऊपर उल्लेखित अनुसार) ऋणी व जमानतदारों को अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर (संविदात्मक दर), लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

दिनांकः 18.03.2026, स्थानः अंबिकापुर (छ.ग.) **प्राधिकृत अधिकारी/सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया**

गायत्री खदान से चोरी का 33 टन कोयला सहित 13 मोटर सायकल व 7 सायकल जप्त

लोकसदन >> सूरजपुर। खदान से कोयला चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने चोरी की घटना पर अंकुश लगाने पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। बुधवार, 18 मार्च की सुबह एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों की टीम ने गायत्री खदान में अचानक दबिश दी।

गायत्री खदान में कार्रवाई के लिए पहुंची पुलिस टीम को देखकर कोयला चोरी करने वाले व्यक्ति अंधेरे का फायदा उठाकर अपनी मोटर सायकल व सायकल को छोड़कर भाग निकले। मौके पर 450 बोरी कोयला करीब 33 टन, 13 नग मोटर सायकल व 7 सायकल वहां पाया गया। मौके पर मिले 33 टन कोयला कीमत करीब 2 लाख रूपये को खदान प्रबंधन को सौंपा दिया गया। मामले में धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई कर खदान के बाहर लावारिस हालत में पाए गए मोटर सायकल व सायकल को जप्त कर इनके वाहन स्वामियों की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, एसआई प्रदीप सिदार, कृपाल सिंह, एएसआई राकेश यादव व पुलिस के जवान सक्रिय रहे।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने कड़े शब्दों में कहा है कि अवैध कोयला कारोबारी और ग्रामीणों के गठजोड़ को तोड़ने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी है। खदान प्रबंधन को बाउण्ड्रीवाल के अवैध निकास को जल्द बंद कराने और खदान के सुरक्षाकर्मियों के साथ सख्ती से गश्त कराने के निर्देश दिए हैं।

तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव : खेल प्रतिभाओं के बीच जबरदस्त मुकाबले का किया जायेगा प्रदर्शन

- **23 से कुश्ती, वॉलीबाल, कबड्डी और मल्लखम्ब का होगा शानदार प्रदर्शन**
- **कल तक अंतिम तिथि प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क**

लोकसदन >> सूरजपुर। जिला प्रशासन सूरजपुर एवं माँ बागेश्वरी धाम ट्रस्ट कुदरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन 23 से 25 मार्च 2026 तक माँ बागेश्वरी धाम, कुदरगढ़ में किया जायेगा। तीन दिवसीय इस महोत्सव में खेल, संस्कृति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। महोत्सव में खेल कार्यक्रम की थीम ''खूब खेलबो, नशा ले दूर रहबो'' रखा गई है।

महोत्सव के अंतर्गत अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता के साथ-साथ जिला स्तरीय वॉलीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। वॉलीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिताएँ केवल पुरुष वर्ग के लिए हैं तथा इनमें सूरजपुर जिले के खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। आयु का कोई बंधन नहीं है और प्रवेश शुल्क पूर्णतः निःशुल्क है। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 सायं 5 बजे तक निर्धारित है।

वॉलीबाल एवं कबड्डी प्रतियोगिता में पंजीयन अनिवार्य

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपने विकासखण्ड में चिन्हित किये गए प्रतिनिधियों से सम्पर्क कर सकते हैं। वॉलीबाल के लिए - वि.ख. सूरजपुर एवं भैयाथान हेतु खेलावन सिंह (मो. 6260354080), वि.ख. ओड़गी एवं प्रेमनगर हेतु प्रभाशंकर प्रसाद (मो. 7067019738) तथा वि.ख. प्रतापपुर एवं रामानुजनगर हेतु धर्मपाल रजक (मो. 9977929291) से संपर्क किया जा सकता है। कबड्डी के लिए - वि.ख. रामानुजनगर एवं प्रेमनगर हेतु रामसुभाष राजवाड़े (मो. 9977136160), वि.ख. भैयाथान एवं ओडगी हेतु संजय यादव (मो. 9304001651) तथा वि.ख. सूरजपुर एवं प्रतापपुर हेतु सहदेव रवि (मो. 6263774962) से संपर्क किया जा सकता है।

मल्लखम्ब का विशेष प्रदर्शन

महोत्सव के तीसरे दिन 25 मार्च 2026 को सायं 7 बजे पामगढ़ के मल्लखम्ब खिलाड़ियों द्वारा शौर्य एवं नृत्य कला का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

संगठन की मजबूती को लेकर रामानुजनगर ब्लॉक कांग्रेस की बैठक संपन्न

लोकसदन >> सूरजपुर। जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर के निर्देशानुसार आज रामानुजनगर रेस्ट हाउस में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री महेंद्र साहू के नेतृत्व में की प्रथम आवश्यक बैठक संपन्न हुई।

बैठक में संगठन के विस्तार और भविष्य की कार्ययोजना पर गंभीर मंथन किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रभारी मेहंदी यादव एवं बिहारी कुलदीप उपस्थित रहे। चर्चा के मुख्य बिंदु निम्नलिखित रहे जिनमें **संगठन विस्तार:-** मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष और बूथ प्रभारियों की नियुक्तियों व उनकी सक्रियता पर जोर दिया गया।

ब्लॉक प्रभारी ने बूथ प्रबंधन पर प्रभारियो ने बताया आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीतिक खाका तैयार किया गया ताकि जमीनी स्तर पर पार्टी को और सशक्त बनाया जा सके।

दिया जोर :- बूथ जीता, चुनाव जीता' के संकल्प के साथ मंडल अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में ब्लॉक अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया इस दौरान उपाध्यक्ष इस्माइल खान, प्रदीप साहू, आनंद कुंवर, हेमलता रजवाड़े, चन्द्रदत्त दुबे, गीता सिंह, दिव्या तंजे,निशि जायसवाल, विमला सिंह, अविनाश यादव, विजय साहू, हेमंत साहू, समर्थ प्रजापति, बालमुकुन्द दास, महेश सिंह, राजेंद्र हितकर, शतवंत सिंह, अविनाश साहू, ऋषि दुबे, परमेश्वर सिंह, विनय दुबे, उत्तम यादव, भूपेन्द्र साहू, भोला गुप्ता, रामशंकर साहू, राजेश सोनी, जगदीश सिंह, संजय गुप्ता, फिरोज खान, रामचन्द्र ठाकुर, जगतपाल सिंह, बाबा खान, विकाश सिंह सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

शपथ-पत्र

मैं छन्दा रॉय चौधरी, उम्र 57 वर्ष, पति स्व. सुनील रॉय चौधरी, पिता देवी दास हलदार, निवासी हाउस नं. डी 117, हाउसिंग बोर्ड बालको नगर, कोरबा, तहसील व जिला कोरबा छ.ग.का होकर निम्न कथन शपथपूर्वक करती हूँ:- यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवासरत् हूँ तथा मेरा आधार क्रमांक -2230 6601 0895 है। यह कि, मेरा जन्म दिनांक 12.10.1968 को स्थान डी 117, हाउसिंग बोर्ड बालको नगर, कोरबा, तहसील व जिला कोरबा छ.ग. में हुआ है। यह कि, मेरे नाम से जन्म प्रमाण पत्र नगर निगम कोरबा द्वारा जारी किया गया है जिसमें मेरा नाम CHHANDA HALDER (छन्दा हलदार) दर्ज है जिसे विलोपित कर/हटाकर मैं अपना सही नाम CHHANDA ROY CHOUDHARY (छन्दा रॉय चौधरी) दर्ज कराना चाहती हूँ। यह कि उपरोक्त समस्त कथन सत्य एवं सही है। यह कि उक्त शपथ पत्र मेरे जन्म प्रमाण पत्र में मेरा सही नाम CHHANDA ROY SANTU PRASAD SACHOUDHARY दर्ज किये जाने के समर्थन में निष्पादित किया गया है, जिसे संबंधित विभाग / कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
छन्दा रॉय चौधरी
निवासी हाउस नं. डी 117, हाउसिंग बोर्ड बालको नगर, कोरबा (छ.ग.)

शपथ-पत्र

मैं विवेक कुमार मिंज पिता विलियम मिंज उम्र 37 निवासी पाड़ीमार क्रमांक 1 बालको नगर कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. का होकर निम्नकथन शपथ पूर्वक करता हूं:- यह कि, मै उक्त पते पर स्थायी निवास करता हूँ, यह कि, मेरे पुत्र बेंजामिन मिंज का जन्म दिनांक 15.09.2023 को नगर पालिक निगम कोरबा के अंतर्गत एन.टी.पी.सी. कोरबा में हुआ है मेरे पुत्र का जन्म पंजीयन संख्या बी-2023: 22-90174-000171 पंजीकरण दिनांक 06.10.2023 है। यह कि, मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम विवेक कुमार मिंज और मेरी पत्नी का नाम किरण मिंज दर्ज है। यह कि, मेरे समस्त दस्तावेजों में और मेरी पत्नी के समस्त दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम किरण तिग्गा दर्ज है किरण तिग्गा व किरण मिंज एक ही व्यक्ति का नाम है जो कि मेरी पत्नी है। यह कि, मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा, मेरे पत्नी का सही नाम किरण तिग्गा दर्ज करवाना है। यह कि, यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के समर्थन में निष्पादित की हूँ जिसे संबंधित विभाग/ कार्यालय में प्रमाण स्वरूप प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
विवेक कुमार मिंज
निवासी पाड़ीमार क्रमांक 1, बालको नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)

शपथ-पत्र

मैं विवेक कुमार मिंज पिता विलियम मिंज उम्र 37 निवासी पाड़ीमार क्रमांक 1 बालको नगर कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. का होकर निम्नकथन शपथ पूर्वक करता हूं:-

यह कि, मै उक्त पते पर स्थायी निवास करता हूँ, यह कि, मेरे पुत्र जोशुआ मिंज का जन्म दिनांक 25.01.2021 को नगर पालिक निगम कोरबा के अंतर्गत एन.टी.पी.सी. कोरबा में हुआ है मेरे पुत्र का जन्म पंजीयन संख्या 7954/58/14 पंजीकरण दिनांक 02.03.2021 है। यह कि, मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम विवेक कुमार मिंज और मेरी पत्नी का नाम किरण मिंज दर्ज है। यह कि, मेरे समस्त दस्तावेजों में और मेरी पत्नी के समस्त दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम किरण तिग्गा दर्ज है किरण तिग्गा व किरण मिंज एक ही व्यक्ति का नाम है जो कि मेरी पत्नी है। यह कि, मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में मेरा, मेरे पत्नी का सही नाम किरण तिग्गा दर्ज करवाना है। यह कि, यह शपथ पत्र उपरोक्त कथनों के समर्थन में निष्पादित की हूँ जिसे संबंधित विभाग/ कार्यालय में प्रमाण स्वरूप प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
विवेक कुमार मिंज
निवासी पाड़ीमार क्रमांक 1, बालको नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)

निगम का पुनरीक्षित एवं वर्तमान बजट एमआईसी ने किया पारित, साधारण सभा की ओर अग्रेषित

- मेयर इन काउंसिल की बैठक में निगम के विभिन्न कार्यों से जुड़े प्रस्तावों को दी गई स्वीकृति
- महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की उपस्थिति में सम्पन्न हुई नवगठित मेयर इन काउंसिल की पहली बैठक

लोकसदन >> कोरबा।

नगर पालिक निगम कोरबा का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2025-26 एवं बजट वर्ष 2026-27 एमआईसी द्वारा पारित कर आवश्यक स्वीकृति हेतु साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया गया। मेयर इन काउंसिल द्वारा निगम के विभिन्न कार्यो से जुड़े प्रस्तावों पर विचार विमर्श पश्चात सर्वसम्मति से आवश्यक स्वीकृतियां भी दी गई, साथ ही राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना एवं सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित पेंशन योजना के हितग्राहियों को भी एम.आई.सी. द्वारा अपनी स्वीकृति प्रदान की गई।

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय की विशेष उपस्थिति में निगम की मेयर इन काउंसिल की बैठक पं. जवाहरलाल नेहरू सभागार स्थित एम.आई.सी. कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में मेयर इन काउंसिल सदस्य हितानंद अग्रवाल, भानुमति जायसवाल, अजय गोंड़, फिरतराम साहू, उर्वशी राठौर, ममता यादव, अजय कुमार चन्द्रा एवं सरोज शांडिल्य आदि उपस्थित थे। नगर पालिक निगम कोरबा का पुनरीक्षित बजट वर्ष 2025-26 एवं बजट वर्ष 2026-27 मेयर इन काउंसिल के समक्ष रखा गया, एमआईसी द्वारा सर्वसम्मति से बजट प्रस्ताव को पारित करते हुए बजट को आवश्यक स्वीकृति हेतु निगम की आगामी साधारण सभा की ओर अग्रेषित किया गया।

बैठक के दौरान पेनल लायर की नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव, जाति उद्घोषणा की स्वीकृति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता व मुख्यमंत्री पेंशन योजना के हितग्राहियों की स्वीकृति, जल आवर्धन फेस-2 अंतर्गत 29 एम.एल.डी. जलउपचार संयंत्र के संधारण संचालन कार्य, वीर सावरकर भवन के आबंटन, अधोसंरचना मद से नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत 5 करोड़ 93 लाख रूपये से मुख्य सड़कों का डामरीकरण सहित शहर के विभिन्न मार्गो के डामरीकरण कार्य से जुड़े प्रस्तावों, बुधवारी बाजार पुर्नविकास परियोजना, सीबीजी प्लांट एरिया बरबसपुर में विभिन्न निर्माण कार्य, हाई मास्ट लाईट स्ट्रीट लाईट आदि से जुड़े कार्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका की नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव, पालना घर कार्यकर्ता एवं सहायिक नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव, मुड़ापार बाजार में प्रकाश व्यवस्था, निगम क्षेत्रांतर्गत जल प्रदाय संचालन संधारण हेतु श्रमिक प्रदाय सहित बैठक में प्रस्तुत अन्य प्रस्तावों पर निगम की एमआईसी द्वारा स्वीकृतियां दी गई तथा प्रस्तावों पर आवश्यक निर्णय लिये गये।

बैठक के दौरान निगम के अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, उपायुक्त पवन वर्मा एवं बी.पी. त्रिवेदी, लेखाधिकारी भवकांत नायक, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, संपदा अधिकारी सचिन तिवारी, जोन कमिश्नर व कार्यपालन अभियंता भूषण उरांव, एन.के. नाथ, अखिलेश शुक्ला, राकेश मसीह, लीलाधर पटेल, सुनील टांडे, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, सहायक अभियता पीयूष राजपूत, सुशील चन्द्र सोनी, दीवाकांत जायसवाल, आनंद दुबे, अरूण मिश्रा, अरविंद सिंह, उदय मंडल, आदि के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

थार का सपना बना अपराध की वजह

नाबालिगों ने रची 15 तोला सोना चोरी की साजिश, 5 गिरफ्तार

लोकसदन >> बिलासपुर।

बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां महंगी गाड़ी खरीदने के शौक ने नाबालिगों को अपराध की राह पर धकेल दिया। थार गाड़ी लेने के लिए दोस्तों के एक समूह ने अपने-अपने घरों से सोना चोरी करने की योजना बनाई, जिसमें एक रिटायर्ड सैनिक का परिवार भी शिकार बना।

जानकारी के मुताबिक, बहतराई निवासी रिटायर्ड सेना जवान सुशील कुमार शर्मा के घर से करीब 15 तोला सोना धीरे-धीरे गायब किया गया। इस चोरी के पीछे उनके ही बेटे और उसके दोस्तों की साजिश निकली। दोस्तों ने पहले उसे उकसाया और फिर खुद नकली जेवर दिखाकर उससे असली गहने चोरी करवा लिए। जब चोरी किया गया सोना थार खरीदने के लिए पर्याप्त नहीं हुआ, तो आरोपियों ने पैसे खर्च कर दिए और फिर दोबारा सोना लाने का दबाव बनाने लगे। इतना ही नहीं, पीड़ित लड़के को धमकाकर और मारपीट कर ब्लैकमेल भी किया गया।

परिवार को शक होने पर मामला पुलिस तक पहुंचा। जांच में सामने आया कि चोरी के जेवर स्थानीय लोगों और एक ज्वेलरी व्यवसायी को बेचे गए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिगों समेत कुल पांच आरोपियों को हिरासत में लिया और करीब 15 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने बरामद किए। इस मामले में कुछ रसूखदार परिवारों के बच्चों के शामिल होने की भी बात सामने आई है, जिससे यह घटना और भी गंभीर हो गई है।

15 पान ठेलों पर 2450 रु. की चालानी कार्रवाई

लोकसदन >> रायगढ़।

जिले में बढ़ते नशीले पदार्थों के सेवन पर नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक उपाध्याय के नेतृत्व टीम ने शहर के सिग्नल चौक एवं मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के आसपास स्थित पान ठेलों एवं तंबाकू विक्रेताओं की सघन जांच की। कई दुकानों में कोटपा एक्ट 2003 के नियमों का उल्लंघन पाया गया, जिस पर पुलिस विभाग एवं खाद्य एवं औषधि विभाग के ड्रग इंस्पेक्टरों की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 15 पान ठेलों पर कुल 2450 रुपये का आर्थिक दंड वसूला।

निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट बिल्डिंग, जिला अस्पताल और नालंदा परिसर का कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया निरीक्षण

- निर्माण कार्यों में तेजी लाने और समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के सख्त निर्देश

लोकसदन >> सारंगढ़-बिलाईगढ़।

सारंगढ़ में चल रहे जिला मुख्यालय स्तरीय विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। वहीं निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी दी।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन कलेक्ट्रेट कॉम्प्लेक्स भवन का निरीक्षण करते हुए भवन के सामने बने पब्लिक टॉयलेट को हटाकर बाहर जनरल टॉयलेट निर्माण कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के समीप बन रहे जिला पंचायत कार्यालय भवन, एसडीएम एवं तहसीलदार कार्यालय के नए भवन निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए मजदूरों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

खेलभाठा मैदान के सामने स्थित जर्जर ट्राइबल हॉस्टल के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने इसे विभिन्न विभागों के उपयोग हेतु तैयार करने को कहा। उन्होंने मई माह तक कार्य पूर्ण करने और प्लास्टर कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में खेलभाठा मैदान में बन रहे स्टेज निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने स्टेज के सामने रेलिंग लगाने तथा 20 दिनों के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चंदई क्षेत्र में निर्माणाधीन नवीन जिला अस्पताल का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने बताया कि अब तक लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा अस्पताल के सामने किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश एसडीएम को दिए। अस्पताल के समीप जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के नए भवन का निरीक्षण करते हुए 30 मई तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। टीसीपीसी रानीसागर में निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने परिसर के सामने गार्डन विकसित करने तथा दिसंबर माह तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

लोकसदन >> रायगढ़।

जिले में आगामी ईद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देश पर संपन्न हुई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अपूर्व प्रियेश टोप्पो, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा, एसडीएम महेश शर्मा, तहसीलदार शिव डनसेना सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी तथा समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बिना वेतन के शिक्षकों ने मनाई होली, प्रशासनिक उदासीनता पर फूटा आक्रोश

- कोतमा ब्लॉक के प्राथमिक शिक्षकों का आरोप- अधिकारी फोन तक नहीं उठाते
- वेतन भुगतान में भेदभाव से बढ़ी नाराजगी

लोकसदन >> कोतमा।

सनातन धर्म का प्रमुख पर्व होली जहां पूरे देश में हर्षोल्लास और रंगों के साथ मनाया गया, वहीं कोतमा ब्लॉक के प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों ने इस बार बिना वेतन के ही होली मनाने को मजबूर होने की पीड़ा व्यक्त की। शिक्षकों का आरोप है कि फरवरी माह का वेतन 18 मार्च तक भी जारी नहीं किया गया, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा है।

शिक्षकों के अनुसार, अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर ब्लॉक में प्राथमिक शिक्षकों का वेतन समय पर जारी कर दिया गया, लेकिन कोतमा ब्लॉक के शिक्षकों को अब तक भुगतान नहीं किया गया। इसे लेकर शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि एक ही जिले में अलग-अलग व्यवस्था प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।

शिक्षकों ने बताया कि पूर्व में भी वेतन भुगतान को लेकर विसंगतियां सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार स्थिति अधिक गंभीर हो गई है। वेतन न मिलने के कारण कई शिक्षकों के परिवार आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं और त्योहार की खुशियां भी फीकी पड़ गईं।

शिक्षकों का आरोप है कि प्रशासन तकनीकी खामी का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है। उनका कहना है कि यदि तकनीकी समस्या है तो उसे दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, न कि कर्मचारियों को वेतन से वंचित रखना। शिक्षकों ने इसे उच्च अधिकारियों की लापरवाही और प्रशासनिक तानाशाही करार दिया।

शिक्षक अखिलेश बैश, चंद्रशेखर मिश्रा एवं सारिका गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने बताया कि मेहनत का पैसा समय पर न मिलने से मानसिक तनाव बढ़ रहा है। उनका कहना है कि जब अवकाश और अन्य नियमों का पालन सख्ती से कराया जाता है, तो वेतन भुगतान में भी समान गंभीरता दिखाई जानी चाहिए।

अधिकारी से संपर्क नहीं, बढ़ी नाराजगी

शिक्षकों ने बताया कि वेतन एवं अन्य समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी से फोन पर संपर्क करने का कई बार प्रयास किया गया, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। इससे शिक्षकों में नाराजगी और अधिक बढ़ गई है। उनका कहना है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही संवाद से दूरी बना लें, तो समस्याओं का समाधान कैसे होगा।

शिक्षकों ने प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि हर बार बजट या तकनीकी समस्या का बहाना बनाकर भुगतान टाल दिया जाता है। यदि समय पर वेतन नहीं मिलेगा तो शिक्षकों का मनोबल टूटेगा और शिक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द भुगतान नहीं होने पर आंदोलन का रास्ता अपनाने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि लंबित वेतन तत्काल जारी किया जाए तथा भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए जवाबदेही तय करे।

फुनगा क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री से ग्रामीणों में आक्रोश

- चौकी प्रभारी को हटाने की मांग तेज

लोकसदन >> कोतमा।

भालूमाड़ा थाना क्षेत्र फुनगा चौकी के अंतर्गत फुनगा इलाके में अवैध शराब की खुलेआम बिक्री को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध मदिरा का कारोबार फल-फूल रहा है, जिससे न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही है बल्कि युवा पीढ़ी भी नशे की गिरफ्त में आती जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, फुनगा पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में अवैध रूप से शराब की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। आरोप है कि इस पूरे कारोबार को रोकने में पुलिस प्रशासन नाकाम साबित हो रहा है, बल्कि कुछ लोगों ने पुलिस पर ही मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। विशेष रूप से चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते के कार्यकाल के दौरान इस अवैध कारोबार में वृद्धि होने की बात कही जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब से वर्तमान चौकी प्रभारी ने पदभार संभाला है, तब से क्षेत्र में अवैध शराब का व्यापार तेजी से बढ़ा है। इसका सीधा असर क्षेत्र के युवाओं पर पड़ रहा है, जो नशे की लत में पड़कर अपनी शिक्षा और भविष्य से दूर होते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि नशे की वजह से सामाजिक वातावरण भी बिगड़ रहा है और अपराध की घटनाओं में बढ़ोतरी की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों ने जिला पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर चौकी प्रभारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा उन्हें तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। साथ ही अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सघन अभियान चलाने की मांग की गई है। इसके अलावा, ग्रामीणों ने जिला आबकारी विभाग को भी इस संबंध में मौखिक शिकायत दी है। हालांकि, अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र ही प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

प्रशासन की ओर से फिलहाल इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। अब देखना होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और अवैध शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

बिजुरी नगरपालिका में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, करोड़ों के भुगतान पर उठे सवाल

लोकसदन >> अनूपपुर/बिजुरी।

अनूपपुर जिले की बिजुरी नगर पालिका एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर पालिका में वित्तीय अनियमितताओं एवं फर्जी भुगतान के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि विकास कार्यों में वास्तविक लागत से कई गुना अधिक भुगतान किया जा रहा है, जिससे शासकीय राशि के दुरुपयोग की आशंका गहराती जा रही है।

बताया जा रहा है कि नगर पालिका को क्षेत्र में संचालित कोयला परियोजनाओं के चलते साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) से लगभग 200 करोड़ रुपये की एकमुश्त राशि एवं नियमित रॉयल्टी प्राप्त हुई है। इतने बड़े वित्तीय संसाधन मिलने के बावजूद विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

5 लाख का काम, 20 लाख का भुगतान?

स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि कई कार्यों में लागत और भुगतान के बीच भारी अंतर देखा गया है। उदाहरणस्वरूप, जिन कार्यों की अनुमानित लागत 5 लाख रुपये बताई जाती है, उनके विरुद्ध 15 से 20 लाख रुपये तक का भुगतान दर्ज किया गया है। यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच हो तो करोड़ों रुपये के फर्जी या अतिशयोक्तिपूर्ण भुगतान का खुलासा हो सकता है।

निविदा प्रक्रिया पर भी सवाल

निविदा प्रक्रिया को लेकर भी पारदर्शिता की कमी के आरोप सामने आए हैं। कुछ ठेकेदारों को कथित रूप से लाभ पहुंचाने और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया को प्रभावित करने की बातें सामने आ रही हैं।

जिम्मेदार पदाधिकारियों पर आरोप

आरोपों में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि लखन पनिका एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) पवन साहू का नाम लिया जा रहा है। आरोप है कि अनियमितताओं को उजागर होने से रोकने के लिए प्रभाव का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष अभी तक सामने नहीं आया है।

मंत्री संरक्षण की भी चर्चा

स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि क्या इन अनियमितताओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जांच की मांग

नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है, ताकि यदि किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता हुई हो तो दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और जनता के धन का सही उपयोग हो।

आस्था के परब — दाई के अँगना म बरत हे जोत-जँवारा...

प्रीतम कुमार साह

हिन्दू धरम के हर तिहार म,कइ रीती रिवाज़ हे फेर एकर मनाए के पाछु सबके अपन अपन मानता होथे।

कब बोए जाथे जँवारा :-

नवरात म करसा के आगू गहु अउ जवा के जवारा माटी के बर्तन अउ झेंझरी म बोए रहिथे। साँझा बिहिनिया दोनों बेरा एकर पूजा पाठ करथे। नवरात म जँवारा बोए के ये परमपरा चले आथे ।फेर एकर असल उद्देश्य के बारे म कइ झन मन नइ जानय फेर मानत रहिथे।

त आवव जानथन नवरात म जवारा बोए के परम्परा ह,पुरखा ले चलें आथे। फेर जवारा बोए के अलगेच महत्व आए। किसम-किसम के मानता एकर पाछु जुड़े हवय।

माता के सेवा बर नवरात के नव दिन ह अब्बड़ महत्व रखथे। ये नव दिन म माता के नव रूप के पूजा पाठ विधि विधान ले करें जाथे। ए समय म जेन मनखे मन नवरात म उपास रहिथे अउ दुर्गा सप्तशती के पाठ करथे वो मनखे मन माटी के बरतन म जवारा बोथे।

कब बोए जाथे जँवारा:-

नवरात के पहिलि दिन प्रतिपदा के दिन करसा स्थापित करें के संग-संग जवारा ल घलो बोथे। जवारा म हर दिन माता के पूजा पाठ करें के बेरा म साँझा बिहिनिया पानी देय ल परथे। जवारा ल दक्षिण दिशा डहर मुहु करके नइ रखे जाय एखर पाछु मानता हे कि दक्षिण दिशा हर यम के दिशा आय। ये दिशा म न हि करसा रखे जाथे अउ न हि जवारा बोए जाथे।

बने मुहूरत म बोथे जँवारा ल:-

जवारा ल बने मुहुरत म माता के आसन मेरा माटी के करसा म जवारा ल बोथे अउ ओकर सेवा जतन नवरात भर करथे। नवरात के सिराय ले जवारा ल विधि विधान ले पूजा पाठ करके नदिया ,तरिया म ठंडा कर देथे।

नवरात म बोए जवारा हर कोन्हो 2 या 3 दिन म जरई आ जथे त ये हर जातक मन बर शुभ संकेत माने जाथे। 2 या 3 दिन म कहु जरई नई आए ले अशुभ संकेत माने जाथे।

कई घाव करसा म जवा ल बने नइ बोए ले घलोक ऐसना किस्सा हो जथे ।एकरे सेती जवारा बोए बेरा म अब्बड़ सावधानी बरते ल परथे।

जँवारा ले शुभ अशुभ के संकेत मिलथे:-

नवरात म बोए जवारा के रंग ले घलोक शुभ अशुभ संकेत मिलथे। जवारा के ऊपर डहर ह हरियर अउ खाल्हे डहर ह कोनो पीयर रहे ले ए ह अवइया साल ह हमर मन बर केसना रही एखर बात ल बताथे। ऐसना जवारा होय ले आधा बछर ह सुख शांति म बितही अउ आधा बछर हा दु:ख, दरद म बीते के संकेत देथे।

सबो जवारा हर कसकस ले घना अउ हरियर हे त सुख शांति रहे के संकेत आय। बाढ़, अकाल नइ होए के संकेत देथे। मातारानी के दया अउ आशीर्वाद मिलेथे।

मानता अहु हे कि जइसे जइसे जवारा हर बाढ़े लागथे। माता के आशिर्वाद हर मिले ल लागथे। हरियर हरियर दिखत जवारा ल अच्छा माने जाथे काबर कि हरियर जवारा माता के खुशियाली के चिन्हा आय।

जवा धरती के पहिली अन्न आय:-

जवा ल धार्मिक ग्रन्थ म ब्रह्मा माने गे हे। कहे जाथे कि आदिकाल ले पूजा पाठ के बेरा म हवन में जवा के आहुति देय के परम्परा चलें आथे।

एखर अलावा जवा पूजा पाठ म काम घलो आथे। जवा अनाज आय अउ ब्रह्मा के रूप आय एकर सम्मान करना चाहि।

सृष्टि के रचना जब होइस तब जवा पहिली फसल आय जोन हर धरती में उगिस। एकर सती जवारा के बने जागे अउ नइ जागे ले आवइया समय हर केसना रही तेकर पुर्वा अनुमान लगाय जाथे।

मोर महमाई, दुर्गा दाई

सगा बरोबर तँय ह दाई आथस चइत कुंवार म
चउँक पुरा के दियना जलाएँव गली खोर दुवार म!!
नव दिन बर तँय आथस दाई करके बघवा सवारी
संझा बिहिनिया तोर सेवा गावंय जम्मों नर-नारी!!
कुंवार महीना बड़ मन भावन पाख् हवय अंजोरी
जग-मग जग-मग जोत जलत हे दाई तोर दुवारी!!
नाक म सुग्घर नथली सोहे अउ पऊरी पैजनिया
माथ म चमकत तोर टिकली,कनिहा म करधनिया!!
तँय दुर्गा तँय काली कहावस तही हर खप्पर धारी
दानव मन के नास करइया जय हो दुर्गा महतारी!!
हाथ जोर के बिनती करत हँव सुन ले मोर महमाई
भगतन मन के भाग जगादेय झोली ल भर दे दाई!!

कविता // सवाल

इंसान ल इंसान बनाय के,
कखरो करा कउनों दवाई हे का?
सब कुर्सी के पीछू भागत हें,
सेवा के आड़ म मेवा-मलाई हे का?

हमन तान सिधवा गाँव-देहात के देहाती,
शहर के टुच्चा मन कसाई हें का?
जब देखव त दंगा-फसाद करत रहिथें,
मनखे नोहय, उन मन सचमुच दंगाई हें का?

कउँवा कान लेगे कहिके चिल्लाथें,
ये बात म कउनों सच्चाई हे का?
मोर आँखीं म रोज सपना सजथे,
तोर आँखीं म खाली पटपटाई हे का?

धरती म सुख-चैन के बीज बोवत हन,
तोर मन म बस नफरत के बियाई हे का?
मोर मन म प्रेम के दिया जलथे,
तोर मन म अँधियार छ्वाई हे का?

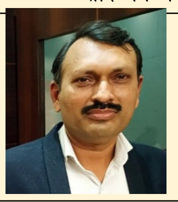

विजेन्द्र कुमार वर्मा

दोहा // नवाँ बछर?

नारायण प्रसाद वर्मा चंदन

चारों कोती धुंध हे,सूरज घलो उँघाय।
लागत जइसे ओस मा,धरती अभी नहाय।।
मुँह ले निकले कोहरा,जस आगी सिपचाय।
काँपे हाड़ा जाड़ मा,कछु नइ बने सुहाय।।

रुखराई मन मौन हे, दिखय नही उत्साह।
परे लाहरा शीत के, चपक धरे सब बाँह।।
मनखे ठिठुरय जाड़ मा, जीव सबो बेहाल।
धरती मौसम हे उही, कहाँ नवाँ तब साल।।

दिखय नही बन बाग मा,कौआँ मैना मोर।
लउहा आय बसंत हा,थोकिन अभी अगोर।।
लहसे डारा फूल मा,चारों डहर मम्हाय।
झुमरैं सरसों खेत मा,सबके मन हरषाय।।

फूले परसा फूल हा, आमा हर मउराय।
आरो पा ऋतुराज के, कोयल हा नरियाय।।

मौसम लगे सुहावना, मन मोहत बन बाग।
गात चिरइया राग धर, भँवरा छेंड़य फाग।।

धरती दुलहिन कस लगे, मौसम नीक सुहाय।
गरमी ना बरसात हे, जाड़ा घलो सिराय।।
माते फागुन रंग मा, मउहा माथ नवाँय।
गोंदा संग गुलाब हा, कठल-कठल इतराय।।

चैत गुड़ी परवा परब, पावन दिन हे घात।
यज्ञ हवन उपवास ले, कर जिनगी शुरुवात।।
आजे के दिन देवता, करिन सृष्टि निर्माण।
राज विक्रमादित्य के, भारत बनिस महान।।

सजे घरोघर दीप मा, तोरण कलश दुवार।
पूजँय देवी देव जन, जले जोत भरमार ।।
लगे जँवारा देखके, जागिस नवाँ उमंग।
जग के जम्मो जीव मा, भरे खुशी के रंग।।

डॉ विनोद कुमार वर्मा की चार लघु कथाएँ

डॉ. विनोद वर्मा

1. ठग-जग

*'**रानी** दुर्गावती योजना मा प्रदेश के नोनी मन ला 18 साल पूरा होय के पाछू डेढ़ लाख रूपया मिलही। एक अप्रैल 2026 ले एहा लागू किए जाही। एही सत्र मा विधेयक लाए जाही।' - ये छत्तीसगढ़ी समाचार ला रेडियो मा सुनके जब्बर उछाह मा रामलाल अपन सुवारी ले कहिस- 'अरे सुनत हस! हमर बिटिया सतरा के हो गे हे। ओला डेढ़ लाख मिलही! छै महीने बाद दिवाली हे। उही दिन तो 2008 में जनमे रहिस!'*

*'**का** सही मा रानू के बाबू? भगवान भला करे! सरकार हा कतका कुछु करत हवय हमर बर! ...... अपन कमाई ले तो तँय ढेला घलो नि खरीदे सकस!'*

*'**का** बात करथस ओ रानू के दाई, सकरो-दिन लड़े के जुगत बनाय रहिथस! ...... पाछूच्च महीना तो बिटिया बर नावा सेंडिल खरीदे रहेंव!'*

*'**हाँ** हाँ, बिटिया बड़े होवथ हे त सैंडिल तो खरीदबेच्च! ....ओकर सहेली के पापा अपन बेटी ला जनम-दिन मा पचास हजार के नया आई फोन दे हवय!'*

*'**त** मँय कहाँ ले लावँव अतेक पैसा? बैंक मा एक लाख जमा हे, ओकर ले बाबू के कालेज के थर्ड इयर के फीस जमा करहूँ! ..... ओला खर्च कइसे करँव?'*

*'**ठीक** बात हे। ...... मँय सोचत रहेंव कि बाबू के आखिरी बछर के पढ़ाई बर अपन सोन के माला ला बेच दूहूँ। ...... संसी झन कर! चार बछर के पढ़ाई खतम होय के पाछू बाबू ला नौकरी मिलही त हमार माली हालत सुधर जाही!'*

*'**आजकल** नौकरी कहाँ मिलत हे भाग्यवान?'*

*'**सुनव** जी! रानू बर एक ठिन लैपटाप खरीद देवा। कालि मातारानी के पूजा करत-करत मन्नत माँगत रहिस, एला मँय सुने रहेंव। .... ओकर पढ़ाई मा बहुत काम आही न ? ..... फेर नोनी हा बोलय कुछु निहीं।'*

__घड़ी__ भर सोचे के बाद रामलाल बोलिस- 'ठीक हे लैपटाप खरीद देहूँ अउ एक ठिन नावा मोबाईल घलो! बैंक मा पइसा हे उही ले खरीद देहूँ। छै महीने बाद रानू ला योजना के डेढ़ लाख मिलही त ओला बैंक मा जमा कर देहूँ। ..... रानू बर तो मँय अभी तक कुछु घलो नि कर पाय हँव। वो बिचारी कुछ कहे तो घलो निहीं ...... फेर बाबू के पढ़ई बर अब तोला गहना बेचे के जरूरत नि परे!'

__रानू__ आज बहुत खुश रहिस। ओकर मन्नत हा जो पूरा होने वाला हे। ओला नावा मोबाइल अउ लैपटाप मिलने वाला हे! ' चइत नवरात मा खरीदहूँ ' - कहत रहिस बाबू हा। दाई-बाबू के गोठ-बात ला ओहा रंधनीखोली ले सुन डारे रहिस! तब उनकर गोठ-बात ला सुनके ओकर कजरारी आँखी ले आँसू के बूंदी मोती कस टप-टप टपकत रहिस।

__एक__ हप्ता बाद विधानसभा मा पारित वित्त बजट के समाचार अखबार मन मा प्रमुखता ले छपिस। जेमा के एक समाचार ला स्कूल के लाइब्रेरी मा पढ़ते-पढ़त रानू के आँसू ढरके लगिस-'रानी दुर्गावती योजना के अन्तर्गत प्रदेश के बालिकाओं को 18 साल पूरा होने पर डेढ़ लाख रूपये मिलेंगे। प्रदेश में रानी दुर्गावती योजना का लाभ एक अप्रैल 2026 के बाद जन्म लेने वाली बेटियों को मिलेगा।'

__ये__ तो अइसने बात होगे न! कि किसान मन ला 2042 मा मिलइया धान के बोनस बर एसों के सत्र मा विधेयक पारित करे हें!

2. पनियर दूध

*'**तुमन** के दूध हा बड़ पनियर आवथ हे भाई? ... चाय म बने स्वाद नि आवत हे?'*

*'**हें** हें .... का करबे दीदी, बड़े जर्सी गाय मन दूध छोड़ा देहे हें! ..... छोटे गाय के दूध देवत हँव!'*

*'**तुँहर** छोटे गाय जादा पानी पीथे का भाई?'*

*'**हें** हें ...हें... का करबे दीदी!!'*

3. इंटरव्यूह

*'**बच्चा** मँय काली भक्त हँव। काली माता तोर कल्याण करही।'*

*'**धन्यवाद** महराज!'*

*'**बच्चा** सौ रूपये दे दे। मँय तोर बर देवी माता ले मन्नत माँग लेहूँ!'*

*'**बाबा,** मोर करा देहे बर पइसा नि हे। इन्टरव्यूह देहे बर स्टेशन ले पैदल ही जावत हँव!'*

*'**दान** नि देबे त माता तोला इंटरव्यूह मा फेल करा देही। माता के प्रकोप ले डर!'*

*'**माते** तो जगत कल्याणी हे। ओकर अइसना निम्नस्तरीय सोच नि हो सके!'*

*'**बेवकूफ,** जा गंदी नाली मा गिर! मोर श्राप हे!!'*

अमितेश के हाथ-पैर काँपे ला धर लीस फेर कोनो तरा वोहा संभल गे अउ इंटरव्यूह देहे पहुँचिच् गे।

__थोरकुन__ दिन बाद रिजल्ट घोषित होइस। अमितेश नायब तहसीलदार सलेक्ट हो गे रहिस!

4. धान के फोकला

__एक__ ठिन सोसाइटी के गोदाम मा 06 महीना ले ताला बन्द रहिस। जब ओला खोलिन त एक करोड़ के धान शार्टेज मिलिस, जइसन शार्टेज कई सोसायटी मा मिलथे। गाँव, विभाग अउ अखबार मा अइसन बात ले हलचल तो माचथे, जइसन उढ़रिया भाग जाय ले माचथे! फेर थोरकुन दिन बाद लोगन मन एला भूला घलो जाथें जइसन कतको बात ला भूला जाथें।

__सोसायटी__ के अफसर मन जाँच अधिकारी मन ला बताइन कि एक करोड़ के धान मुसुवा खा दीस! .....गाँव के सरपंच के संगे-संग जाँच अधिकारी मन घलो सोसाइटी के अफसर मन के तर्क ले संतुष्ट दिखिन काबर कि रपट बनाय के पहिलिच्च जेब हा गरम हो गे रहिस! वइसे घलो वो गाँव मा बहुत मुसुवा रहिस, जइसे सबो गाँव मा रहिथे। त गोदाम के एक करोड़ के धान ला पाँच-छै महीना मा खा ही सकत रहिन!

__तभे__ मुख्य जाँच अधिकारी ले एक तीसरी कक्षा मा पढ़इया नानकुन लइका सवाल करिस-'सर, धान ला तो मुसुवा खा दीस। एहा ठीक बात हे फेर ओकर फोकला ला कोन खाइस? मुसुवा मन तो फोकला ला नि खावँय!'

__मुख्य__ जाँच अधिकारी के हाथ पैर कांपे ला धर लिस! पसीना छूटे लगिस! ओहा अबक्क रहि गे! सचमुच ये सवाल के जवाब उहाँ काकरो तिर नि रहिस।

अमृतध्वनि छंद // ढोंगी बाबा

ढोंगी बाबा हें फिरत, बनके जोगी आज।
बइठे- बइठे खात हें, इही हवय गा काज।।
इही हवय गा, काज धरम के, ओढ़े चोला।
लोगन मन ला, ठगत हवँय जी, बनके भोला।।
धुँआ उड़ावत, देख कान मा, खोंचे चोंगी।
पाप- पुण्य के, डर देखावँय, बाबा ढोंगी।।

मुकेश उइके 'मयारू'

लावणी छंद // प्रेम

सुन पगली! झन डर तैं चिटको,
होरी ये समझावत हे ।
जग जाहिर राधा -किशना के,
प्रेम इही बगरावत हे ।।

हमर प्रेम के अबड़ ढिँढोरा,
गांव गली भर करवाहूँ ।
दाइ-ददा के आघू मनभर,
मैं तोला रंग लगाहूँ ।
फागुन महिना म फगुनाए,
सबला धीर बँधावत हे ।
जग जाहिर राधा -किशना के,
प्रेम इही बगरावत हे ।।

गए जनम के तँही राधिका,
मैं तोर कुंवर कन्हाई ।
जलनखोर के सँउहे जाके ,
आपस मा रंग लगाई ।
जलनखोर जल जल मर जाही,
छोड़ हमर का जावत हे ।
जग जाहिर राधा -किशना के,
प्रेम इही बगरावत हे ।।

मोर मया के बँधना अइसन,
छूटकारा नइ पावस जी ।
अंतस के मंदिर मा तैं हर,
जनम जनम बर हावस जी ।
तोर अलावा ये दुनिया के,
कोनों नई सुहावत हे ।
जग जाहिर राधा -किशना के,
प्रेम इही बगरावत हे ।।

मोहन लाल कौशिक

छत्तीसगढ़ी गजल

पर के मुँह मा पान ल खाहू कतका दिन ले लाल रही।
बल समरथ उपजारव खुद के खाँध उपर बैताल रही।

भूखे बर सथरा छोड़त हें कुँदरा के रहवासी मन।
जानत हन सब धनवंता मन हिरदे ले कंगाल रहीं।

जेकर छइँहाँ थेभा सबके ओकर जर ला कोड़त हें।
मानवता ला रँमजे वो मन माटी बर जंजाल रहीं।

तपथे ते मन खपथे कहिथे न्याय करइया उप्पर हे।
बिन आरो के थपरा ओकर आगू तुँहरे गाल रही।

गरजे ले जादा बरसे मा घन बादर के मान रथे।
मुँह ले जादा हाथ चलाबे तब जीवन खुशहाल रही।

धर - धर के बम तोप तमंचा बइठें हें बलशाली मन
जंग छिड़े ले आखिर 'रौना' जग के बारा हाल रही।

राजकुमार चौधरी 'रौना'

खबर विशेष

विधानसभा में कई संशोधन विधेयक पारित, धर्म स्वातंत्र्य विधेयक सरकार ने लिया वापस

लोकसदन >> रायपुर।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यवाही देखने को मिली। गृह मंत्री विजय शर्मा ने राज्यपाल द्वारा लौटाए गए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य (संशोधन) विधेयक, 2006 पर विचार का प्रस्ताव सदन में रखा। चर्चा के बाद सरकार को यह विधेयक वापस लेने की अनुमति दे दी गई। इसके अलावा, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को पुनः प्रस्तुत किया, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। वहीं, मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ नगर एवं ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक, 2026 और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल (संशोधन) विधेयक, 2026 के पुनर्स्थापन प्रस्ताव पेश किए। दोनों ही प्रस्तावों को विधानसभा में सर्वसम्मति से मंजूरी मिल गई। इन प्रस्तावों के पारित होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से जुड़े विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा शुरू की गई। हालांकि, इस दौरान विपक्ष ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया।

जिले में स्कूल खुलने का समय बदला

लोकसदन >> रायपुर।

तेज धूप और गर्मी को देखते हुए रायपुर जिले में भी स्कूल का समय बदल दिया गया है। जिले के समस्त शासकीय और निजी स्कूल अब सुबह 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तक संचालित होंगे। परीक्षा और कार्यालयीन समय यथावत रहेगा। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण कई जिलों में स्कूल का समय बदल रहा है। मंगलवार को रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ने भी गर्मी को देखते हुए स्कूल का समय बदलने का आदेश जारी किया। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय द्वारा जारी आदेश के अनुसार रायपुर जिले के समस्त शासकीय और अशासकीय स्कूल एक पाली वाले सोमवार से शनिवार तक प्रातः 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 तक संचालित होंगे। इसी तरह ऐसे स्कूल जो दो पाली में संचालित हो रहे हैं, वहां प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूल सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तथा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों का संचालन पूर्वान्ह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा। परीक्षा और कार्यालयीन समय में किसा प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। यह आदेश 20 मार्च से प्रभावशील होगा। बता दें कि इन दिनों कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा चल रही है। इसके बाद स्थानीय कक्षाओं पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी, छठवीं, सातवीं और 9वीं-11वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

रायपुर में चोरी का नया ट्रेंड : अब गैस सिलेंडर बना चोरों का निशाना

लोकसदन >> रायपुर।

राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में चोरी की वारदातों का तरीका तेजी से बदलता नजर आ रहा है। अब चोर महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान या नकदी की बजाय गैस सिलेंडर पर हाथ साफ कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शहर के बजाज कॉलोनी इलाके से सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, कारोबारी रितेश उप्पल के घर के आंगन में रखा गैस सिलेंडर देर रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। घटना की शिकायत उन्होंने राजेंद्र नगर थाने में दर्ज कराई है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति सिलेंडर उठाकर ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान करने में जुटी हुई है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि घर के बाहर रखे गैस सिलेंडर और अन्य सामान को सुरक्षित स्थान पर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

नशे में धुत रेलवे पुलिस जवान का वीडियो वायरल, यात्रियों से विवाद का आरोप

लोकसदन >> रायपुर।

राजधानी रायपुर से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां छत्तीसगढ़ रेलवे पुलिस (जीआरपी) का एक जवान कथित तौर पर नशे की हालत में नजर आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि यह मामला रायपुर रेलवे स्टेशन के बाहर का है। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी की हालत सामान्य नहीं दिख रही है और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नशे में होने के दौरान उसने यात्रियों से बहस शुरू कर दी, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रहा है। जानकारी के मुताबिक, संबंधित जवान जीआरपी एसपी कार्यालय में पदस्थ बताया जा रहा है। घटना सामने आने के बाद रेलवे पुलिस के कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

दंतेवाड़ा में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

बाघ-तेंदुए की खाल के साथ बड़े शिकार गिरोह का भंडाफोड़

- संयुक्त टीम की घेराबंदी में 6 से अधिक आरोपी गिरफ्तार
- केशापुर सहित कई स्थानों पर छापेमारी, खाल बरामद
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई, जेल भेजे गए आरोपी

लोकसदन >> दंतेवाड़ा।

मुख्य वन संरक्षक आलोक कुमार तिवारी के निर्देशन एवं वनमण्डलाधिकारी रंगनाधा रामाकृष्णा वाय के मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा जिले में वन्यजीव अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बाघ एवं तेंदुए की खाल के साथ सक्रिय एक संगठित शिकार गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। दिनांक 17.03.2026 को दंतेवाड़ा से बालूद मार्ग पर दो आरोपियों को बाघ की खाल के साथ पकड़ा गया। सघन पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिली, जिसके आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया तथा बाघ एवं तेंदुए की खाल बरामद की गई।

दिनांक 16.03.2026 की मध्य रात्रि में मुखबिर की सूचना पर वनमंडल दंतेवाड़ा, वनमंडल बीजापुर, इंद्रावती टाइगर रिजर्व, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में मुख्य आरोपी लक्ष्मण तेलाम (उम्र 51 वर्ष) सहित देवीराम ओयाम (58 वर्ष), रमेश कुड़ियाम (24 वर्ष), फरसोन पोयामी (27 वर्ष), सेमला रमेश (24 वर्ष), सुखराम पोडियाम (21 वर्ष) एवं अन्य आरोपियों के नाम सामने आए, जिन्हें गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों की निशानदेही पर वन विभाग की विशेष टीम द्वारा ग्राम केशापुर में छापेमारी कर एक और तेंदुए की खाल बरामद की गई। इस कार्रवाई में शामिल अन्य आरोपी मासो ओयाम (50 वर्ष) एवं अर्जुन भोगामी (42 वर्ष) को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि जब्त किए गए बाघ एवं तेंदुआ अनुसूची-I के अंतर्गत संरक्षित वन्यजीव हैं।

सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9, 39(1)(घ), 3(क)(ख)(ग), 48 एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत प्रकरण क्रमांक 15452/25 दिनांक 17.03.2026 दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई है।

अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा : डीएफओ

वनमण्डलाधिकारी रंगनाधा रामाकृष्णा वाय ने स्पष्ट कहा कि वन्यजीवों के अवैध शिकार एवं तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि वन एवं पर्यावरण से जुड़े किसी भी प्रकार के अपराधों के विरुद्ध वन विभाग पूरी सख्ती और तत्परता के साथ कार्रवाई कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे मामलों में दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वन्यजीव संरक्षण को और अधिक मजबूत किया जा सके तथा भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाया जा सके।

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला मामले में फरार तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू गिरफ्तार

लोकसदन >> रायपुर।

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तत्कालीन एसडीएम निर्भय कुमार साहू को एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसीबी-ईओडब्ल्यू में दर्ज अपराध के तहत की गई है। आरोपी को विशेष न्यायालय रायपुर में पेश किया गया, जहां से उसे 30 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया।

बता दें कि रायपुर-विशाखापटनम और दुर्ग बायपास भारतमाला परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला सामने आया था। मामले की जांच में आरोपी निर्भय कुमार साहू ने अनुविभागीय अधिकारी एवं सक्षम प्राधिकारी, भू-अर्जन अभनपुर, जिला रायपुर के पद का दुरुपयोग करते हुए अधीनस्थ पटवारी, राजस्व निरीक्षक और जमीन कारोबारियों के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने का मामला सामने आया था। षड्यंत्र के तहत अभनपुर तहसील के ग्राम नायकबांधा, उगेतरा, उरला, भेलवाडीह और टोकरो की जमीनों को बैक डेट में छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित कर दिया गया। इसके बाद वास्तविक मुआवजे से कई गुना अधिक राशि का भुगतान किया गया। इतना ही नहीं, नायकबांधा जलाशय की पहले से अधिग्रहित भूमि को भी भारतमाला परियोजना के नाम पर दोबारा अधिग्रहित दिखाकर मुआवजा दिया गया।

मुख्यमंत्री से मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर - रीवा हवाई सेवा के लिए की मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना

लोकसदन >> रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने शुक्ला का शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस दौरान दोनों के मध्य क्षेत्रीय विकास, आपसी समन्वय एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों राज्यों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। उपमुख्यमंत्री

शुक्ला ने बताया कि अब रीवा-रायपुर से सीधे हवाई मार्ग से जुड़ गया है। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के साझा प्रयासों से दोनों राज्यों के लोगों को हवाई सेवा की बड़ी सौगात मिली है। उपमुख्यमंत्री शुक्ला ने इस दिशा में मुख्यमंत्री साय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और आगे भी दोनों राज्यों के साझा हितों को आगे बढ़ाने की बात कही। उल्लेखनीय है कि रायपुर और रीवा के मध्य हवाई सेवा प्रारंभ हो गई है। इससे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के लोगों की यात्रा आसान होगी।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, डॉ. हिमांशु द्विवेदी एवं जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

विधानसभा में शिक्षा मंत्री घिरे, अतिथि शिक्षकों और स्कूल युक्तियुक्तकरण पर हंगामा

- विपक्ष का वॉकआउट

लोकसदन >> रायपुर।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को स्कूलों के युक्तियुक्तकरण, अतिथि शिक्षकों की भर्ती, वेतन और नियमितीकरण को लेकर जोरदार बहस देखने को मिली। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को इस मुद्दे पर न सिर्फ विपक्ष बल्कि सत्तापक्ष के विधायकों के सवालों का भी सामना करना पड़ा।

सत्तापक्ष के विधायक सुनील सोनी, राजेश मूणत और रोहित साहू ने स्कूलों के युक्तियुक्तकरण के बाद उत्पन्न स्थिति पर नाराजगी जताई। विधायक राजेश मूणत ने कहा कि युक्तियुक्तकरण के बाद कई स्कूलों की हालत खराब हो गई है और

शिकायतों के बावजूद अधिकारी निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचे। इस पर शिक्षा मंत्री ने जांच कराने का आश्वासन दिया। वहीं, सदन को आसंदी ने मंत्री को 30 मार्च तक सभी स्कूलों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

विधायक सुनील सोनी ने पूछा कि युक्तियुक्तकरण के बाद खाली हुए स्कूल भवनों का क्या उपयोग किया जा रहा है। इस पर मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पिछले वर्ष 10,538 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया गया है, जिनमें से 10,372 भवनों का उपयोग स्मार्ट स्कूल और लैब के रूप में किया जा रहा है, जबकि 166 भवन अभी खाली हैं।

जर्जर स्कूलों के नवीनीकरण को लेकर भी सवाल उठे। मंत्री ने कहा कि जहां आवश्यकता होगी, वहां जांच के बाद सुधार कार्य कराया जाएगा। विधायक अजय चंद्राकर ने इस संबंध में नीति पर सवाल किया, जिस पर मंत्री ने कहा कि शिक्षकों की उपलब्धता और व्यवस्था सुधारने के लिए यह कदम उठाया गया है।

रायपुर जिले को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने बताया कि यहां 389 में से 385 स्कूलों का युक्तियुक्तकरण हो चुका है, जबकि 4 स्कूल खाली हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नए सत्र से 150 नए स्कूल शुरू किए जाएंगे, जो स्वामी आत्मानंद और विवेकानंद स्कूलों की तर्ज पर होंगे।

वहीं, विपक्ष ने अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण और वेतन का मुद्दा उठाते हुए सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। विपक्ष का कहना था कि चुनाव के दौरान किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

सिवरेज टैंक में उतरे तीन कर्मियों की मौत, अस्पताल में हंगामा

लोकसदन >> रायपुर।

राजधानी रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में मंगलवार रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। अस्पताल परिसर के सिवरेज टैंक की सफाई के दौरान तीन कर्मचारियों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सफाई के लिए टैंक में उतरे तीनों कर्मी जहरीली गैस के कारण बेहोश हो गए। उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचे और आक्रोश जताते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते यह हादसा हुआ है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मृतकों के शवों को अमानवीय तरीके से ले जाया गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस बात को लेकर आक्रोश और बढ़ गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि परिजनों और पुलिस के बीच अस्पताल के मुख्य गेट पर झड़प भी हो गई। इस बीच अस्पताल प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा की है।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की पहल

देशभर के टूर ऑपरेटरों ने देखी छत्तीसगढ़ की अनोखी झलक

- छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की फेम ट्रिप से प्रभावित हुए देश के प्रतिनिधि, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति और आतिथ्य की सराहना

लोकसदन >> रायपुर।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार और राज्य की प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित फेम ट्रिप के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों से आए टूर ऑपरेटर्स और ट्रैवल एजेंट्स ने बस्तर, मैनपाट और जशपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखा और उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधियों को बस्तर जिले के विश्व प्रसिद्ध

चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया साथ ही बोटिंग भी कराई गई, जिसने उनके अनुभव को और रोमांचक बना दिया। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने चित्रकोट स्थित प्राचीन शिव मंदिर के दर्शन भी किए।

बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से परिचित कराने के लिए प्रतिनिधियों को यहां के प्रसिद्ध हाट-बाजार भी ले जाया गया, जहां उन्होंने पारंपरिक मुर्गा लड़ाई जैसे स्थानीय सांस्कृतिक आयोजनों को देखा और बस्तर की विशिष्ट जनजातीय परंपराओं को समझा।

इस भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों को ऐतिहासिक नगरी बारसूर भी ले जाया गया, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बत्तीसा मंदिर और भगवान गणेश की अद्भुत एवं प्राचीन मूर्तियों का अवलोकन किया। इन ऐतिहासिक धरोहरों ने प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया।

फेम ट्रिप के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के प्रशासनिक अधिकारियों से भी मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने बस्तर के कमिश्नर, आईजी और एसपी से भेंट कर क्षेत्र में पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटन सुविधाओं पर चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

इसी क्रम में प्रतिनिधियों को मैनपाट के खूबसूरत पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कराया गया। यहां उन्होंने करमा एथेनिक रिजॉर्ट और सैला रिसॉर्ट का दौरा किया तथा मैनपाट की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण का अनुभव किया। इसके अलावा प्रतिनिधियों को कुनकुरी स्थित गिरजाघर, जशपुर का राजपुरी जलप्रपात तथा करे विलेज जशपुर में स्थित महुआ होमस्टे जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों से भी परिचित कराया गया। इन स्थलों ने छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं को उजागर किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड द्वारा आयोजित यह फेम ट्रिप 13 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 28 टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट्स शामिल हैं। इन प्रतिनिधियों को दो समूहों में विभाजित कर राज्य के उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है।

इस पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार और पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के टूर ऑपरेटरों को राज्य की पर्यटन संभावनाओं से सीधे परिचित कराना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार कर सकें।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड राज्य के पर्यटन को नई पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा प्रबंध संचालक विवेक आचार्य के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विकास और प्रचार-प्रसार के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं।

इस फेम ट्रिप से जुड़े प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और यहां के लोगों के आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और वे अपने-अपने राज्यों में छत्तीसगढ़ को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देंगे। इस पहल से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

भारतीय रेलवे का 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट परिवर्तन' की ओर कदम, एक नए युग का सूत्रपात : केंद्रीय रेल मंत्री

भारतीय रेल आम आदमी और मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं की आधुनिक, सुरक्षित और सुगम सवारी : संसद में केंद्रीय रेल मंत्री

सरकार किफायती दरों पर यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाकर गरीब से गरीब व्यक्ति की सेवा के लिए निरंतर प्रतिबद्ध

लगभग 1,37,000 किलोमीटर के रेल मार्ग और 25,500 से अधिक ट्रेनों के विशाल नेटवर्क के साथ, भारतीय रेलवे देश के एक कोने से दूसरे कोने तक यात्रियों के आवागमन और माल ढुलाई को सुगम बनाकर लोगों को रोजगार से जोड़ने और अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है

भारत सरकार देश में भारी सब्सिडी वाली रेल यात्रा प्रदान कर रही है, सरकार प्रत्येक यात्री टिकट की लागत का 45 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन करती है, जिससे आधुनिक यात्रा अनुभव सुनिश्चित होने के बावजूद यहाँ का किराया पड़ोसी देशों और विकसित देशों की तुलना में काफी कम है

अधिक नॉन-एसी कोच के साथ भारतीय रेलवे आम नागरिकों की जरूरतों को दे रही प्राथमिकता

कम दूरी की यात्रा को सुगम बनाने के लिए 200 नई इंटरसिटी ट्रेनें और मुंबई हेतु स्वचालित दरवाजों वाली 238 नई उपनगरीय ट्रेनें जल्द शुरू की जाएंगी

पिछले 10 वर्षों में 5 लाख नौकरियों और बीते 2 वर्षों में 1.43 लाख सीधी नियुक्तियों के अलावा, रेलवे की विभिन्न परियोजनाएं लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी सृजित कर रही हैं

स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं और तकनीक-आधारित रखरखाव पद्धतियां भारत में यात्रा के अनुभव को नया आयाम दे रही हैं

लोकसदन >> नई दिल्ली।

भारतीय रेलवे वर्तमान में अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में रु. 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से सशक्त बनाया गया है। रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेखांकित किया कि रेलवे में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार रेल बजट का आम बजट में विलय था, जिसके परिणामस्वरूप तीन प्रमुख लाभ हुए हैं। उन्होंने भारतीय रेल के वर्तमान रूपांतरण को 'धीमी प्रगति' से 'सुपर-फास्ट ट्रांसफॉर्मेशन' की ओर एक बड़े बदलाव के रूप में वर्णित किया, जो इस राष्ट्रीय परिवहन सेवा के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

सबसे पहले, इसने बजटीय सहायता में व्यापक वृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया है, जो पहले के लगभग रु. 25,000-30,000 करोड़ से बढ़कर वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग रु. 2.78 लाख करोड़ हो गई है। दूसरा, इसने वर्ष भर निरंतर निर्णय लेने और आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुगम बनाया है, जिसमें परियोजनाओं की मंजूरी, नई सेवाओं की शुरुआत और आधुनिक तकनीक को अपनाना शामिल है। तीसरा, इससे प्रणाली में बेहतर पारदर्शिता और संस्थागत निगरानी आई है, जहाँ अब परियोजनाओं की समीक्षा वित्त मंत्रालय और नीति आयोग से जुड़ी प्रणालियों के माध्यम से की जा रही है।

ऐतिहासिक बजटीय आवंटन और रेलवे की मजबूत वित्तीय स्थिति

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भारतीय रेलवे के लिए रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जो देश भर के सभी राज्यों को लाभान्वित कर रहा है और बुनियादी ढांचे के त्वरित विकास को गति दे रहा है। वैष्णव ने स्पष्ट किया कि रेलवे के प्रमुख व्यय मदों में लगभग रु. 1.19 लाख करोड़ का कार्मिक व्यय, करीब रु. 64,000 करोड़ का पेंशन व्यय, लगभग रु. 32,000 करोड़ की ऊर्जा लागत और लगभग रु. 23,000 करोड़ की वित्त लागत शामिल है। इन भारी खर्चों के बावजूद, रेलवे निरंतर सकारात्मक संतुलन बनाए हुए है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि रेल विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप लगभग रु. 6,000 करोड़ की बचत हुई है और विद्युतीकरण के बढ़ते दायरे के कारण डीजल की खपत में भी निरंतर गिरावट आ रही है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और क्षमता में वृद्धि

वैष्णव ने पिछले एक दशक में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माल ढुलाई 2013-14 के लगभग 1,055 मिलियन टन से बढ़कर अब लगभग 1,650 मिलियन टन हो गई है, जिससे भारतीय रेलवे वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा माल वाहक बन गया है। रेलवे ट्रैक निर्माण की गति में व्यापक तेजी आई है, जिसके तहत लगभग 35,000 किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं, जबकि इससे पिछली अवधि में यह आंकड़ा लगभग 15,000 किलोमीटर था। विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी तीव्र प्रगति देखी गई है, जो लगभग 5,200 किलोमीटर से बढ़कर करीब 47,000 किलोमीटर तक पहुँच गई है। इसके साथ ही भारतीय रेलवे ने 99 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के संदर्भ में, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) की संख्या लगभग 4,000 से बढ़कर करीब 14,000 हो गई है। इसी तरह, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग (स्वचालित सिग्नल प्रणाली) का विस्तार भी लगभग 1,500 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि एलएचबी कोचों की संख्या में, जो कि अधिक सुरक्षित और आधुनिक हैं, उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और हाल के वर्षों में लगभग 48,000 ऐसे कोच जोड़े गए हैं। इसके साथ ही, लोकोमोटिव का उत्पादन बढ़कर लगभग 12,000 यूनिट हो गया है, जबकि वैगन की संख्या 2 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर गई है।

टनल, माल ढुलाई गलियारे (फ्रेट कॉरिडोर) और रणनीतिक संपर्क

वैष्णव ने रेखांकित किया कि टनल निर्माण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। उन्होंने बताया कि जहाँ 2014 तक लगभग 125 किलोमीटर टनल का निर्माण किया गया था, वहीं उसके बाद 486 किलोमीटर अतिरिक्त टनल बनाई गई हैं। इससे पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर जैसे कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में संपर्क में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के निर्माण में व्यापक प्रगति हुई है, जिसके तहत लगभग 2,800 किलोमीटर का कार्य पूर्ण हो चुका है और इन कॉरिडोर पर प्रतिदिन लगभग 480 मालगाड़ियाँ संचालित हो रही हैं।

परिचालन दक्षता और रेल नेटवर्क में वृद्धि

वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 25,571 ट्रेनों का संचालन करती है, जिससे होली, दिवाली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान यात्रियों की यात्रा अधिक सुगम और सुविधाजनक सुनिश्चित होती है। कुल रेल नेटवर्क विस्तार बढ़कर लगभग 1,37,522 रूट किलोमीटर तक पहुँच गया है, जिसमें निरंतर वार्षिक वृद्धि देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त, रेलवे के पास अब लगभग 3.86 लाख वैगन और करीब 98,000 कोच उपलब्ध हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड स्तर है।

सुरक्षा व्यवस्था में सुधार

वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। इसके लिए ट्रैक रखरखाव, रोलिंग स्टॉक के रखरखाव, अत्याधुनिक तकनीक को अपनाने और प्रशिक्षण पद्धतियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेलवे दुर्घटनाओं में लगभग 90 प्रतिशत की कमी आई है, जिसे 'रूट कॉज एनालिसिस' (व्यवस्थित मूल कारण का विश्लेषण) और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से संभव बनाया गया है। सुरक्षा में निवेश भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है, जिसके तहत सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए लगभग रु. 1.2 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं।

सुरक्षा तकनीक पर चर्चा करते हुए, उन्होंने स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लगभग 3,000 किलोमीटर के नेटवर्क को पहले ही इसके दायरे में लाया जा चुका है, जबकि करीब 20,000 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है और लगभग 8,000 रेल इंजनों में इसे लगाने की योजना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'कवच' एक व्यापक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, टेलीकॉम टावर, डेटा सेंटर और ऑनबोर्ड उपकरण शामिल हैं। इसकी जटिलता एक पूर्ण टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के समान है।

यात्री सेवाएँ और सस्ती यात्रा की सुविधा

वैष्णव ने कहा कि रेलवे आम नागरिकों के लिए किफायती यात्रा को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है। लगभग 70 प्रतिशत कोच जनरल और स्लीपर श्रेणी के हैं, जो अधिकांश यात्रियों के लिए सुलभता सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने सूचित किया कि अतिरिक्त जनरल कोच (सामान्य श्रेणी के डिब्बे) शुरू किए गए हैं, जिनमें वर्ष 2024-25 में लगभग 1,250 कोच और 2025-26 में करीब 860 कोच शामिल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि रेलवे वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग रु. 60,000 करोड़ की यात्री सब्सिडी प्रदान कर रही है, जो प्रति यात्री औसतन लगभग 45 प्रतिशत की छूट के बराबर है। इसके अतिरिक्त, मुंबई जैसे उपनगरीय (सबअर्बन) इलाकों में लगभग रु. 3,000 करोड़ की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

नई रेल सेवाओं की शुरुआत

केंद्रीय मंत्री ने आधुनिक रेल सेवाओं की शुरुआत और उनके विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक वंदे भारत सेवाएं संचालित हैं, साथ ही किफायती लंबी दूरी की यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली 60 अमृत भारत ट्रेन सेवाएं भी अपनी सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने यह भी सूचित किया कि 133 अमृत भारत ट्रेनों का मैन्युफैक्चरिंग कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें भी शुरू की गई हैं और उनके प्रदर्शन को लेकर सकारात्मक फीडबैक प्राप्त हुआ है।

उन्होंने यह भी बताया कि रेलवे मुंबई के लिए ऑटोमैटिक डोर-क्लोजिंग सिस्टम (स्वचालित द्वार बंद होने की प्रणाली) वाली 238 नई उपनगरीय (सबअर्बन) ट्रेनों और कम दूरी की यात्रा के लिए लगभग 200 नई मेमू ट्रेनों के उत्पादन का कार्य कर रही है, जिन्हें 'इंटरसिटी' के नाम से जाना जाएगा।

विशेष रेलगाड़ियाँ और यात्रियों की सुलभता

वैष्णव ने बताया कि पीक सीजन की मांग को पूरा करने के लिए विशेष ट्रेनों के संचालन का व्यापक विस्तार किया गया है। जहाँ पहले प्रतिवर्ष लगभग 2,000-2,500 विशेष ट्रेनें चलाई जाती थीं, वहीं इस बार लोगों की सुविधा के लिए रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

दिवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लगभग 12,383 विशेष ट्रेनें संचालित की गईं, जबकि होली के दौरान अब तक 1,500 से अधिक ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। उन्होंने आगे बताया कि 75 प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया (प्रतीक्षा क्षेत्र) विकसित किए जा रहे हैं और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए 1,200 से अधिक नई ईएमयू/मेमू सेवाएं शुरू की गई हैं।

रेलवे में रोजगार के अवसर और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया

रोजगार के विषय पर वैष्णव ने बताया कि पिछले एक दशक में रेलवे में लगभग 5 लाख नौकरियां प्रदान की गई हैं, जबकि 1.43 लाख भर्तियों की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। उन्होंने एक व्यवस्थित वार्षिक भर्ती कैलेंडर की शुरुआत पर प्रकाश डाला, जो पूर्वानुमान और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। रेलवे की भर्ती परीक्षाएं 15 भाषाओं में और 150 शहरों में आयोजित की जा रही हैं, जिनमें लगभग 3.6 करोड़ उम्मीदवारों की भागीदारी देखी गई है। उन्होंने यह भी सूचित किया कि शिकायतों के त्वरित निवारण और परीक्षाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक केंद्रीय निगरानी प्रणाली (वार रूम) स्थापित की गई है।

रेलवे में तकनीक, नवाचार और 'मेक इन इंडिया'

अपनी बात जारी रखते हुए, अश्विनी वैष्णव ने परिचालन, रखरखाव, बुनियादी ढांचे और यात्री सेवाओं सहित भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में तकनीक और 'मेक इन इंडिया' की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सूचित किया कि जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए रेलवन ऐप ने व्यापक लोकप्रियता हासिल की है, जिसके अब तक 2.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं और इसके माध्यम से प्रतिदिन लगभग 9.5 लाख टिकटों का सफल ट्रांजैक्शन हो रहा है। यह ऐप आरक्षित और अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन पूछताछ, पीएनआर स्थिति और शिकायत निवारण जैसी कई यात्री सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करता है।

मंत्री ने आगे बताया कि यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) को कई दशकों के बाद व्यापक रूप से आधुनिक बनाया गया है। इस उन्नत प्रणाली को अलग-अलग चरणों में लागू किया जा रहा है और इससे बुकिंग की दक्षता एवं पारदर्शिता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, तत्काल बुकिंग प्रणाली में भी सुधार लागू किए गए हैं ताकि ऑटोमेटेड बॉट्स और अनधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से होने वाले दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए टिकटों की उपलब्धता बेहतर हुई है।

वैष्णव ने वन्यजीव संरक्षण के लिए कैमरों सहित एआई आधारित प्रणालियों की तैनाती और पूरे नेटवर्क में प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस के लिए आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों के उपयोग को भी रेखांकित किया। 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत, भारतीय रेलवे एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरा है, जिसके तहत रेलवे निर्यात रु. 24,000 करोड़ के पार पहुंच गया है। भारतीय रेल तकनीक और उत्पादों का निर्यात जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों को किया जा रहा है।

स्टेशनों का कायाकल्प और क्षमता में वृद्धि

वैष्णव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने वैश्विक स्तर पर स्टेशन पुनर्विकास के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक शुरू किया है, जिसके तहत लगभग 1,300 स्टेशनों को कवर किया जा रहा है। इनमें से लगभग 180 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि करीब 500 स्टेशन पूर्ण होने के उन्नत चरण में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक प्रथाओं के विपरीत, जहाँ पुनर्निर्माण के दौरान स्टेशनों को अक्सर बंद कर दिया जाता है, भारतीय रेलवे निरंतर ट्रेन संचालन को बनाए रखते हुए पुनर्विकास कार्य कर रही है। इससे सुरक्षा सुनिश्चित होने के साथ-साथ यात्रियों को होने वाली असुविधा को न्यूनतम रखा जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, 48 अधिक मांग वाले शहरों में क्षमता विस्तार के कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें अतिरिक्त प्लेटफार्मों, स्टेबलिंग लाइनों, पिट लाइनों और कोचिंग टर्मिनलों का निर्माण शामिल है। ये कार्य आने वाले वर्षों में परिचालन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे।

पीएम गति शक्ति - रेलवे परियोजनाओं का एकीकृत एवं त्वरित कार्यान्वयन

केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि रेलवे विस्तार की योजना अब पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के माध्यम से बनाई जा रही है, जो एकीकृत इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए जियोस्पेशियल मैपिंग का उपयोग करता है।

उद्योगों, शहरी केंद्रों और लॉजिस्टिक्स नोड्स से जुड़ी मांग के वैज्ञानिक आकलन के माध्यम से, नई रेलवे परियोजनाओं की व्यवस्थित रूप से पहचान की गई है। वर्ष 2014 से अब तक, लगभग 27,000 किलोमीटर की नई रेलवे परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें कुल निवेश लगभग रु. 4.27 लाख करोड़ है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में विस्तार

वैष्णव ने बताया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मिजोरम जैसे राज्यों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है, जबकि मणिपुर, नागालैंड और सिक्किम में कनेक्टिविटी परियोजनाओं का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल कनेक्टिविटी ने क्षेत्र में परिवहन लागत को कम करने, लॉजिस्टिक्स में सुधार और पहुंच को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रेलवे और सांस्कृतिक जुड़ाव

वैष्णव ने देश भर के प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्रों के लिए रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। नासिक, उज्जैन, हरिद्वार, राजमुंदरी और कुंभकोणम जैसे शहरों में होने वाले कुंभ आयोजनों जैसे बड़े कार्यक्रमों के लिए व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर विकास योजनाएं तैयार की गई हैं। इनमें यात्रियों की भारी संख्या को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए स्टेशनों का अपग्रेडेशन, अतिरिक्त पुल, अंडरपास, पटरियों का दोहरीकरण और सिग्नलिंग में सुधार शामिल हैं।

परियोजना कार्यान्वयन और भूमि अधिग्रहण की चुनौतियाँ

वैष्णव ने कहा कि रेल परियोजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण के मामले में। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण में होने वाले विलंब ने परियोजनाओं की प्रगति को प्रभावित किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघीय ढांचे के तहत रेलवे का विकास एक सहयोगात्मक प्रयास है और भूमि अधिग्रहण में तेजी आने से सभी राज्यों में परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

हाई-स्पीड रेल और बुलेट ट्रेन की प्रगति

वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) परियोजना पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

प्रमुख उपलब्धियाँ

300 किमी से अधिक वायाडक्ट निर्माण का कार्य पूर्ण।

पिलर निर्माण, ट्रैक बिछाने और स्टेशनों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति।

कई नदियों पर पुलों का निर्माण कार्य संपन्न।

भारत की पहली समुद्र के नीचे की रेल सुरंग पर कार्य जारी, जिसमें महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की गई है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना को 2027 से चरणों में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें ट्रेनों के 350 किमी/घंटा तक की गति से चलने की उम्मीद है। इससे मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय घटकर 2 घंटे से भी कम हो जाएगा।

मंत्री ने यह भी सूचित किया कि सात अतिरिक्त हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की गई है, जो भविष्य में भारत के हाई-स्पीड नेटवर्क को लगभग 4,000 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगे।

विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं और स्वच्छता सुधार

वैष्णव ने यात्री अनुभव, विशेष रूप से स्वच्छता में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रहे सुधारों पर प्रकाश डाला। लंबी दूरी की ट्रेनों में पायलट आधार पर एक नई पहल शुरू की गई है, जहाँ सामान्य कोचों सहित सभी श्रेणियों में प्रस्थान से गंतव्य तक निरंतर सफाई सुनिश्चित की जाती है। यह पहल विभिन्न जोन की चुनिंदा ट्रेनों में लागू की जा रही है और इससे यात्रियों की समग्र संतुष्टि में वृद्धि होने की उम्मीद है।

सीमावर्ती बुनियादी ढांचे और सामरिक संपर्क

अपने उत्तर के समापन में, अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती और सामरिक क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी पर दिए जा रहे विशेष बल को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में संपर्क को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जो सामरिक आवाजाही और क्षेत्रीय विकास दोनों को बढ़ावा देंगी। जम्मू-कश्मीर में बारामूला-उरी विस्तार (डीपीआर चरण), काजीगुंड-बडगाम दोहरीकरण और जम्मू-राजौरी-पुंछ कनेक्टिविटी के लिए सर्वेक्षण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में कई परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जिनमें लंका-सिलचर, डेकरगांव-सिलघाट और अन्य सामरिक मार्गों जैसी नई लाइनों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना और उन्हें पूरा करना शामिल है। क्षमता वृद्धि के लिए सर्वेक्षण और निर्माण गतिविधियां भी चल रही हैं, जिनमें न्यू जलपाईगुड़ी और कामाख्या के बीच अतिरिक्त लाइनें बिछाने का कार्य शामिल है।

वैष्णव ने आगे बताया कि अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जिसमें भूटान जैसे पड़ोसी देशों के साथ संपर्क स्थापित करना भी शामिल है।

उत्तरी और पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्रों में, अनुपगढ़-खाजूवाला, जैसलमेर-बाड़मेर-भीलडी और भारत-पाकिस्तान सीमा के साथ अन्य मार्गों जैसी परियोजनाओं को पहुंच और लॉजिस्टिक्स में सुधार के लिए विकसित किया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में, बेरी-मनाली-लेह (डीपीआर चरण) और घनाउली-बद्दी लाइन जैसे कार्य प्रगति पर हैं। इसी प्रकार, पंजाब और अन्य उत्तरी राज्यों में नई लाइनों और क्षमता विस्तार की परियोजनाएं चल रही हैं।

उन्होंने सिलीगुड़ी कॉरिडोर में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना पर भी प्रकाश डाला, जहाँ महत्वपूर्ण स्थितियों में निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने के लिए 30 किमी लंबे भूमिगत डबल-लाइन कॉरिडोर की योजना विकसित की जा रही है।

इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा पर क्रॉस-बॉर्डर कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को मजबूत करने के लिए नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा-मुजफ्फरपुर जैसे खंडों सहित कई दोहरी रेल लाइन परियोजना और क्षमता वृद्धि की परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

रेलवे कर्मचारियों की सराहना और भविष्य के लक्ष्य

अश्विनी वैष्णव ने लगभग 12.5 लाख रेल कर्मचारियों के अमूल्य योगदान की सराहना की, जिनमें लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर, स्टेशन स्टाफ और तकनीकी कर्मी शामिल हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि ये कर्मचारी त्योहारों और कठिन परिस्थितियों की परवाह किए बिना देश भर में निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेलवे का यह कायाकल्प इसके समस्त कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जिसे सरकार की मजबूत नीतियों और निवेश का पूरा साथ मिला है।

अनुदान की मांगों के माध्यम से रेल मंत्रालय के विस्तृत व्यय प्रस्तावों पर संसद की स्वीकृति मांगी गई। भारत की संचित निधि से होने वाले इस खर्च में मुख्य रूप से क्षमता विस्तार, सुरक्षा में सुधार, रेल नेटवर्क पर भीड़ कम करने और यात्री सुविधाओं जैसी प्राथमिकताओं को शामिल किया गया है, साथ ही रेलवे की परिचालन प्रतिबद्धताओं के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा से गूंजा क्षेत्र

छाल में बही भक्ति की गंगा, संगीतमय प्रवचन से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

कथा व्यास पं. युवराज दुबे ने दिया जीवन दर्शन का संदेश

लोकसदन >> छाल/रायगढ़।

धार्मिक आस्था, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का प्रमुख माध्यम मानी जाने वाली श्रीमद्भागवत कथा आज के आधुनिक युग में भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है। धरमजयगढ़ - खरसिया क्षेत्र के वनांचल ग्राम छाल में 10 से 18 मार्च तक आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ने श्रद्धालुओं के बीच भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया।

मुख्य आयोजक गेंदालाल पटेल एवं समस्त कुटुम्बजन द्वारा स्वर्गीय श्रीमती पुष्पा देवी पटेल एवं पूर्वजों की पावन स्मृति में श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया।

इस कथा आयोजन में प्रतिदिन विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया गया। जिनमें कलश यात्रा, परीक्षित जन्म, जड़भरत चरित्र, ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद भक्ति, श्रीकृष्ण जन्म, गोवर्धन लीला, रूखमणी-कृष्ण विवाह, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, तुलसी वर्षा, हवन, पूर्णाहुति जैसे प्रसंग प्रमुख रहे। कथावाचक पं. युवराज दुबे द्वारा सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए इन प्रसंगों ने श्रोताओं को धर्म, कर्तव्य और मानवता के मूल सिद्धांतों से जोड़ने का कार्य किया। इस ज्ञान यज्ञ को आचार्य के रूप में पं.राजू तिवारी, पं. दुष्यंत दुबे सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

पं.युवराज दुबे ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा को मोक्षदायिनी कथा कहा जाता है। यह न केवल मनुष्य को जीवन के दुखों से मुक्ति का मार्ग दिखाती है, बल्कि उसे सत्य, प्रेम और करुणा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती है। वर्तमान भौतिकवादी युग में, जहां तनाव और अशांति बढ़ रही है, वहां यह कथा मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन प्रदान करने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

आयोजनकर्ता गेंदालाल पटेल एवं अजय कुमार पटेल ने बताया कि कथा के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों का संचार होता है। यह परिवार और समाज को एकजुट रखने, बड़ों के प्रति सम्मान और छोटे बच्चों में संस्कार विकसित करने में सहायक है। आयोजन स्थल पर सभी वर्गों के लोग एकत्रित होकर सामाजिक समरसता का उदाहरण प्रस्तुत करते नजर आए। प्रत्येक दिवस हमारे द्वारा कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं को भोजन स्वरूप प्रसाद का भोज कराकर आत्मिक शांति प्राप्त की गई। साथ ही रुद्राभिषेक महामृत्युंजय का जाप भी प्रति दिवस किया गया। महापुराण ज्ञान यज्ञ के अंतिम दिवस हवन, पूजन व पूर्णाहुति कर घर, परिवार और पूरे क्षेत्र के लोगों के लिए भगवान से मंगलकामना की प्रार्थना की गई।

स्वागतोत्सुक चंद्रिका पटेल, राजेश पटेल, चंद्रभान पटेल का कहना है कि कथा के साथ भजन-कीर्तन और संगीतमय प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर आत्मिक आनंद की अनुभूति कर रहे हैं। साथ ही प्रत्येक दिवस के कथा को झांकी के माध्यम से जीवंत बनाने का प्रयास किया गया।

उक्त आयोजन में स्वागतोत्सुक परिवार/ उपयजमान के रूप में श्रीमती कुंती-चन्द्रिका पटेल, श्रीमती गायत्री-राजेश पटेल, श्रीमती रजनी-सोनू पटेल, श्रीमती सोमलता -अजय कुमार पटेल, श्रीमती गीतिका-चन्द्रभान पटेल कु. योगेश्वरी पटेल, हर्षवर्धन पटेल, सेजल, मोहनीश, मोनू, अन्नू, शिवानी, आशी, प्रखर, प्रिशा, प्रज्ज्वल, पार्थ पटेल एवं समस्त पटेल परिवार ने श्रीमद्भागवत गीता के माध्यम से लोगों की सेवा कर पुन्य के भागीदार बनने का अवसर के लिए भगवान को धन्यवाद दिया।

श्रद्धालु ग्रामीण लोगों ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला एक सशक्त माध्यम है। यह व्यक्ति को आत्मचिंतन, सदाचार और सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करती है। ऐसे आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार होता है और एक स्वस्थ, सुसंस्कृत समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

4 व 5 अप्रैल को रायपुर में होगा अग्रवाल समाज का भव्य परिचय सम्मेलन

लोकसदन >> सूरजपुर।

अग्रवाल समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी के चयन के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर श्री अग्रवाल सभा रायपुर द्वारा आगामी 4 व 5 अप्रैल को रायपुर स्थित अग्रोहा धाम में भव्य युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को शाम एक महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक सूरजपुर अग्रवाल सभा के आतिथ्य व अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल के निवास में आयोजित की गई। जिसमें समाज के लोगों को सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में रायपुर अग्रवाल सभा से आए परिचय सम्मेलन के प्रमुख रमेश अग्रवाल, प्रभारी विसम्भर अग्रवाल तथा सह प्रभारी पवन अग्रवाल ने सम्मेलन की रूपरेखा, पंजीयन प्रक्रिया और कार्यक्रम की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक ‘ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां परिवार एक-दूसरे से परिचित होकर बेहतर वैवाहिक संबंधों की शुरुआत कर सकें। इस अवसर पर सरगुजा संभागीय अग्रवाल सभा के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परिचय सम्मेलन समाज के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहे हैं। ऐसे आयोजनों से युवक-युवतियों और उनके परिवारों को एक-दूसरे को समझने का अवसर मिलता है, जिससे अच्छे और स्थायी वैवाहिक संबंध स्थापित होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों का बेहतर भविष्य और समय पर विवाह समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार के परिचय सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए सही जीवनसाथी खोजने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग की सभी अग्रवाल सभाओं से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्र के विवाह योग्य युवक-युवतियों तथा उनके अभिभावकों को इस सम्मेलन में अवश्य लेकर आएं। इस दौरान बैठक में अग्रवाल सभा, अग्रसेन समिति, मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल सम्मेलन, अग्रवाल संगठन, बायोडाटा समिति सहित भैयाथान अग्रवाल सभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

परिवारों के बीच बनते हैं नए रिश्ते

अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समाज के लोग अपने रिश्तेदारों, परिचितों और मित्रों को भी इस सम्मेलन की जानकारी देकर शामिल होने के लिए प्रेरित करें, तो अधिक से अधिक योग्य युवक-युवतियों का परिचय संभव होगा और कई परिवारों के बीच नए रिश्ते स्थापित हो सकेंगे। ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों से समाज में आपसी मेल-मिलाप बढ़ता है और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

स्काउट-गाइड की गतिविधियों की संभाग स्तरीय बैठक में हुई समीक्षा

रामनवमी से प्याऊ और अप्रैल में लगेंगे प्रशिक्षण शिविर

लोकसदन >> जांजगीर-चांपा।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय द्वारा बिलासपुर संभाग की ऑनलाइन समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनमसिंह साहू, एसओसी अमित क्षत्रिय, एसटीसी श्रीमती सरिता पांडेय और एसओसी श्रीमती जलवती साहू ने संभाग के जिलों में संचालित स्काउटिंग गतिविधियों का जायजा लिया। बैठक में जांजगीर-चांपा जिले के एडल्ट लीडर्स ने हिस्सा लेकर जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

जिले की गतिविधियों की जानकारी देते हुए जिला सचिव दीपक कुमार यादव ने बताया कि जिले के 75 प्रतिशत विद्यालयों का पंजीयन अंशदान प्राप्त कर राज्य मुख्यालय भेजा जा चुका है, वहीं शेष स्कूलों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्मरण पत्र जारी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेवा कार्यों के अंतर्गत रामनवमी से एक माह के लिए जिले के प्रमुख स्थानों पर प्याऊ का संचालन किया जाएगा। इसमें बाजार चौक मड़वा, एनएच 49 तिलई, कचहरी चौक जांजगीर, मेला ग्राउंड शिवरीनारायण और गुड़ी चौक अंगार खार शामिल हैं। कचहरी चौक में शा. कन्या खोखरा, शा. कन्या उमावि जांजगीर, शा. कन्या पूमावि जांजगीर, शा. उमावि मड़वा, विप्लव संस्था एवं अशोक मेडिकल के सहयोग से प्याऊ संचालित होगा।

डीटीसी पूरन लाल पटेल ने बताया कि बेसिक प्रशिक्षण हेतु अनुमति की प्रक्रिया जारी है और शिविर अप्रैल के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। वहीं डीओसी स्काउट डॉ. सुरेन्द्र कुमार सोनी एवं डीओसी गाइड कु. श्वेता जयसवाल ने जानकारी दी कि एडवेंचर कैंप हेतु निर्धारित कोटे के अनुसार जानकारी भेजी जा चुकी है। जिले में वर्तमान में 2 रोवर और 2 रेंजर ओपन दल सक्रिय हैं। युवा सदस्यों में मोहनीश बरेठ को अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया है। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में एडहॉक कमेटी द्वारा गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। आगामी समय में निर्देशानुसार ट्रेकिंग, समागम, यूथ फोरम और मार्च पास्ट जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में पामगढ़ ब्लॉक सचिव प्रभाव वाणी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

झेरिया यादव समाज छत्तीसगढ़ का बजा चुनावी बिगुल

- रायपुर सहित सभी जिला मतदान केंद्रों पर डाले जाएंगे वोट
- अध्यक्ष समेत 7 पदों के लिए जारी हुई अधिसूचना
- 22 से होगा नामांकन प्रक्रिया प्रारम्भ
- 12 अप्रैल को होगा प्रबंधकारिणी समिति का चुनाव

लोकसदन >> रायपुर।

छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की प्रबंधकारिणी समिति के गठन के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है। समाज के पंजीयन क्रमांक 5066 अंतर्गत यादव सामाजिक भवन, महादेव घाट, रायपुर स्थित कार्यालय से अधिसूचना क्रमांक 422 जारी कर आगामी 12 अप्रैल (रविवार) को चुनाव संपन्न कराने की घोषणा की गई है। अधिसूचना जारी होते ही समाज के विभिन्न जिलों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं और संभावित प्रत्याशियों के बीच सक्रियता बढ़ गई है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, समाज की नई प्रबंधकारिणी समिति के गठन के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव के एक-एक पद तथा सदस्य के दो पदों सहित कुल 7 पदों पर चुनाव कराया जाएगा। मतदान 12 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक यादव सामाजिक भवन, महादेव घाट, रायपुर एवं सभी जिला मतदान केंद्रों पर संपन्न होगा। मतदान समाप्ति के आधा घंटे बाद मतगणना प्रारंभ होगी और शाम 5 बजे से परिणामों की घोषणा की जाएगी।

22 से नामांकन भरेंगे प्रत्याशी

चुनाव कार्यक्रम के तहत प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन 18 से 20 मार्च तक किया जाएगा। मतदाता सूची में त्रुटियों के सुधार हेतु 20 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद 21 मार्च को दोपहर 3 बजे तक अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इच्छुक प्रत्याशियों के लिए नामांकन दाखिला 22 से 25 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक स्वीकार किया जाएगा। समाज की ओर से निर्धारित शुल्क के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए 5000 रुपये तथा अन्य सभी पदों के लिए 3000 रुपये नामांकन शुल्क रखा गया है।

27 को नाम वापसी, 29 को मिलेगा चुनाव चिन्ह

निर्वाचन प्रक्रिया के अगले चरण में 26 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच कर वैध प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 27 मार्च को दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया चलेगी।

28 मार्च को अंतिम प्रत्याशी सूची प्रकाशित की जाएगी, जबकि 29 मार्च को दोपहर 3 बजे से चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। समाजजनों के अनुसार, इस बार चुनाव को लेकर व्यापक उत्साह देखने को मिल रहा है और कई पदों पर मुकाबला रोचक होने की संभावना है।

केवल पंजीकृत सदस्य ही डाल सकेंगे वोट

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि केवल पंजीकृत सदस्य ही मतदान कर सकेंगे। मतदान के समय पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। यदि कोई व्यक्ति चुनाव प्रक्रिया में अव्यवस्था, गड़बड़ी या अनुशासनहीनता फैलाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में चुनाव अधिकारी का निर्णय अंतिम माना जाएगा। निष्पक्ष और व्यवस्थित मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अलग-अलग चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति भी की जाएगी।

चुनाव अधिसूचना का एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी है कि यदि किसी सदस्य का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, तो सत्यापन के बाद उसे मतदान का अवसर दिया जा सकता है। इसके साथ ही उम्मीदवारों को अपने-अपने मत परिणाम प्राप्त करने का अधिकार भी दिया गया है, जिससे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

यह चुनाव अधिसूचना मुख्य निर्वाचन अधिकारी जगत राम यादव एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुकल राम यादव के हस्ताक्षर से जारी की गई है। समाज के वरिष्ठजनों का मानना है कि यह चुनाव केवल पदाधिकारियों के चयन तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, संगठनात्मक मजबूती और भविष्य की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है।

चुनाव कार्यक्रम एक नजर में

मतदाता सूची प्रारंभिक प्रकाशन :- 18 मार्च 2026 से 20 मार्च 2026 (दोपहर 3 बजे तक)
त्रुटि सुधार :- 20 मार्च 2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)
अंतिम मतदाता सूची प्रकाशन :- 21 मार्च 2026 (दोपहर 3 बजे तक)
नामांकन दाखिला :- 22 मार्च 2026 से 25 मार्च 2026 (दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक)
नामांकन शुल्क :- अध्यक्ष - 5000, अन्य पद - 3000
नामांकन जांच एवं सूची प्रकाशन :- 26 मार्च 2026 (सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक)
नाम वापसी:- 27 मार्च 2026 (दोपहर 2 बजे तक)
अंतिम सूची प्रकाशन:- 28 मार्च 2026 (दोपहर 3 बजे तक)
चुनाव चिन्ह आवंटन :- 29 मार्च 2026 (दोपहर 3 बजे से)
मतदान :- 12 अप्रैल 2026 (सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक)
मतगणना :- मतदान समाप्ति के आधा घंटे बाद
परिणाम घोषणा :- 12 अप्रैल 2026, शाम 5:00 बजे से

उप वनमंडलाधिकारी आशीष खैरवार पर उठे सवाल

एक ही स्थान पर वर्षों से जमें हैं उप वनमंडलाधिकारी, विभागीय निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता के आरोप

दुधीटांगर-पुटका पहाड़ सड़क पर बने नाली बनी विवाद का केंद्र

लोकसदन ➢➢कोरबा।

वन मंडल कोरबा एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार मामला उप वनमंडलाधिकारी आशीष खैरवार को लेकर सामने आया है, जिन पर लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे रहने और विभागीय निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि उनकी कार्यप्रणाली न केवल पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि शासन की मंशा पर भी असर डाल रही है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उप वनमंडलाधिकारी आशीष खैरवार लगभग बारह वर्षों से एक ही स्थान पर पदस्थ हैं, जो प्रशासनिक नियमों और स्थानांतरण नीति के विपरीत माना जा रहा है। लंबे समय तक एक ही जगह टिके रहने से अधिकारियों और स्थानीय ठेकेदारों के बीच करीबी संबंध बनने की आशंका जताई जा रही है, जिसका सीधा असर कार्यों की गुणवत्ता और निष्पक्षता पर पड़ता है।

चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप

सूत्रों का कहना है कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता की जगह पक्षपात हावी है। आरोप है कि उप वनमंडलाधिकारी अपने चहेते ठेकेदारों को प्राथमिकता देते हैं और बदले में मोटी रकम वसूल की जाती है। इस कथित लेन-देन के कारण कई योग्य ठेकेदारों को काम नहीं मिल पाता, जिससे प्रतिस्पर्धा खत्म हो रही है और गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। सूत्रों का मानना है कि जब किसी अधिकारी पर इस तरह के आरोप लगते हैं, तो विभाग की विश्वसनीयता पर सीधा असर पड़ता है। ऐसे मामलों में उच्च स्तरीय जांच जरूरी हो जाती है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

दुधीटांगर से पुटका पहबसड़क निर्माण बना उदाहरण

दुधीटांगर से पुटका पहाड़ तक जाने के लिए लगभग 14 किलोमीटर की मुरूम सड़क वर्षभर पूर्व बनाया गया और साथ ही सड़क किनारे नाली निर्माण किया गया था जो निर्माण कार्य पर गुणवत्ताहीन निर्माण होने का बयां कर रही है। जिसकी हालत मौके में देखने से ही पता चल सकता है। सूत्रों का कहना है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं, वहीं कार्य की गति और मानकों का पालन भी संदेह के घेरे में है। आरोप है कि नाली बनने के कुछ ही समय बाद पूरी तरह से उखड़ गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई है। कई जगहों पर निर्धारित मानकों से कम बताई जा रही है।

'लंबी पहुंच' का धौंस?

सूत्रों का कहना है कि उप वनमंडलाधिकारी आशीष खैरवार अपनी 'ऊंची पहुंच' का हवाला देकर किसी भी कार्रवाई से बचते रहे हैं। स्थानीय स्तर पर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन उन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

वन विभाग की छवि पर असर

वन विभाग पहले से ही कई मुद्दों को लेकर चर्चा में रहा है, और ऐसे आरोप उसकी छवि को और नुकसान पहुंचा रहे हैं। विभाग का मुख्य उद्देश्य वन संरक्षण और विकास है, लेकिन यदि अधिकारी ही विवादों में घिर जाएं, तो इससे कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। यदि किसी अधिकारी पर गंभीर आरोप लगते हैं, तो निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लानी चाहिए, ताकि विभाग की साख बनी रहे।

जांच की मांग

इस पूरे मामले को लेकर अब जांच की मांग तेज हो गई है। भाजपा नेता मनोज कुमार यादव ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कोरबा वन मंडल में उठे ये आरोप प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर संकेत हैं। यदि इन पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो इससे न केवल सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होगा, बल्कि जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ेगा। अब देखना यह होगा कि शासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है या नहीं।

सुप्रभातम्

हिंदू नव वर्ष पर आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

यातायात पुलिस ने जारी की रूट डायवर्जन एडवायजरी

लोकसदन ➢➢कोरबा।

हिंदू नव वर्ष के पावन अवसर पर 19 मार्च को कोरबा शहर में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस दिन हिंदू क्रांति सेना द्वारा सीतामढ़ी से नया बस स्टैंड तक और बजरंग दल द्वारा कोसाबाड़ी से टी.पी. नगर (क्रोमा स्टोर) तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने रूट डायवर्ट किया है।

शोभायात्रा हेतु जारी प्रमुख मार्ग:-1 सीतामढ़ी, पुराना बस स्टैंड, रेलवे क्रॉसिंग, पावर हाउस रोड, टीपी नगर चौक, नया बस स्टैंड (समापन)। रूट 2- कोसाबाड़ी, सुभाष चौक, घंटाघर चौक, महाराणा प्रताप चौक, जैन चौक, सीएसईबी चौक, टीपी नगर क्रोमा स्टोर (समापन)।

जारी ट्रैफिक डायवर्जन और प्रतिबंध:- दोपहर 1 बजे से रात 12 बजे तक मुख्य मार्ग, कोसाबाड़ी, सुभाष चौक, टीपी नगर और सीतामढ़ी मार्ग पूरी तरह प्रतिबंधित। चांपा से आने वाले वाहन बरबसपुर से रिसदी चौक, बालको, दर्री बांध और राताखार होते हुए कुसमुंडा की ओर जा सकेंगे। कोरबा से जाने वाले वाहन दर्री डैम से बालको और बरबसपुर मार्ग का उपयोग करेंगे। प्रमुख डायवर्सन पॉइंट्स अंतर्गत बरबसपुर-इमलीडुग्गु तिराहा, शनि मंदिर, सर्वमंगला राताखार तिराहा, अग्रसेन तिराहा, नया बस स्टैंड, गुरुघासीदास तिराहा, जैन चौक, सुभाष चौक और आरटीओ तिराहा को डायवर्सन पॉइंट बनाया गया है।

निर्धारित पार्किंग स्थल अंतर्गत श्रद्धालुओं और आम जनता की सुविधा के लिए सुभाष चौक मैदान, एम.पी. नगर मैदान, सीएसईबी ग्राउंड, पावर हाउस रोड मल्टीस्टोरी पार्किंग के सामने, सीतामढ़ी शनि मंदिर के पास, बुधवारी सर्कस मैदान और स्टेडियम चौक पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

अज्ञात हमलावर के वार से 80 वर्षीय वृद्ध गंभीर रूप से घायल

लोकसदन ➢➢कोरबी/चोटिया।

जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र कोरबी चौकी अंतर्गत ग्राम बर्रा से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां अज्ञात हमलावर ने घर में सो रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात लगभग 11 बजे हीरा सिंह (80 वर्ष), पिता सुंदर सिंह सरुता, अपने घर में खाट पर सो रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा और उन पर अचानक हमला कर दिया। हमले में धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया, जिससे बुजुर्ग का बायां कान और गला गंभीर रूप से कट गया, वहीं बाईं आंख भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर फूट गई। हमले के बाद बुजुर्ग लहूलुहान हालत में बेहोश हो गए। शोर सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुका था। घायल वृद्ध को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कोरबी चौकी प्रभारी एएसआई सुरेश कुमार जोगी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि, सोशल मीडिया पर चोरों के गिरोह के सक्रिय होने की चर्चा चल रही है, लेकिन पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कटघोरा क्षेत्र में बिना नंबर के ट्रैक्टरों पर सख्ती, ड्राइवरों के लाइसेंस जांच के निर्देश

लोकसदन ➢➢बांकीमोंगरा

नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा के पार्षद अश्वनी कुमार मिश्रा (वार्ड 13) ने क्षेत्र में बढ़ती सड़क सुरक्षा समस्याओं को लेकर थाना प्रभारी को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि क्षेत्र में कई ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के संचालित हो रहे हैं, जिससे दुर्घटनाओं की स्थिति में वाहनों की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है।

पार्षद ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि अधिकांश ट्रैक्टर चालक नियमों की अनदेखी करते हुए लापरवाही से वाहन चला रहे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टरों के कारण हादसों के बाद जिम्मेदार वाहन का पता लगाना भी कठिन हो जाता है।

इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में चल रहे सभी ट्रैक्टरों पर अनिवार्य रूप से नंबर प्लेट लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, ट्रैक्टर चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की जांच भी नियमित रूप से की जाए, ताकि नियमों का पालन हो और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पार्षद ने इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध करते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

भाजपा का वैचारिक महाभियान, प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं में भर रहा नया जोश

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 से भाजपा संगठन को मिल रही नई ऊर्जा

लोकसदन ➢➢कोरबा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा द्वारा मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन 13 मार्च से प्रारंभ हो चुका है, जो 30 मार्च तक जिले के विभिन्न मंडलों में आयोजित किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में चल रहे इस प्रशिक्षण महाभियान में जिले के 24 मंडलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इसी क्रम में सीएसईबी सीनियर क्लब, कोरबा में कोसाबाड़ी मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ ध्वजारोहण के पश्चात दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी उपस्थित रहे, जबकि सत्र की अध्यक्षता कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर ने की। वहीं द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में जिला संगठन सह प्रभारी बृजेन्द्र शुक्ला ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया तथा सत्र की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मंजू सिंह ने की। प्रशिक्षण वर्ग में सह संभाग प्रभारी रायपुर डॉ. राजीव सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक चावलानी, जिला महामंत्री अजय विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय पांडेय, जिला उपाध्यक्ष योगेश जैन, रुक्मणी नायर, जिला मंत्री सतीश झा, जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, मंडल महामंत्री मिलाप बरेठ, पुनीराम साहू, उदय श्रीवास्तव, लक्ष्मीकांत जोशी, दीप नारायण सोनी, मनोज मिश्रा, नीरज ठाकुर, अनिल वस्त्रकार व बलराम विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से सात प्रमुख विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें भाजपा का वैचारिक अधिष्ठान, भाजपा का इतिहास एवं विकास, कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि, भाजपा की कार्य पद्धति, अपनी सरकार की उपलब्धियां एवं उनका क्रियान्वयन, मीडिया-सोशल मीडिया, सरल एप, एआई एवं नमो एप का उपयोग तथा बूथ प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किया - मोदी

मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के गौरवशाली इतिहास, विचारधारा और संगठनात्मक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास राष्ट्रवाद, त्याग, समर्पण और सेवा की भावना से ओतप्रोत रहा है।

उन्होंने बताया कि पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ से जुड़ी हुई हैं, जिसकी स्थापना महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने की थी। उस समय राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करने और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से जनसंघ की स्थापना की गई थी। जनसंघ से प्रारंभ हुई यह वैचारिक यात्रा आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुई, जिसने देश की राजनीति को नई दिशा और वैचारिक मजबूती प्रदान की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किया है और यही कारण है कि आज भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन बनकर उभरी है।

बृजेन्द्र शुक्ला ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर डाला प्रकाश

द्वितीय सत्र में जिला संगठन सह प्रभारी बृजेन्द्र शुक्ला ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, मां भारती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन देश के सबसे मजबूत संगठनों में से एक है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा और कार्य विस्तार के लक्ष्य से जोड़ा जाता है, जिससे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जा सके और पार्टी की विचारधारा को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सके।

उक्ताशय की जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अर्जुन गुप्ता ने दी।

एचपीवी वैक्सीनेशन एवं शिशु संरक्षण माह का हुआ शुभारंभ

लोकसदन ➢➢कोरबा।

रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबा में गत दिवस एचपीवी वैक्सीनेशन एवं शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ श्रीमती संजू देवी राजपूत महापौर नगरपालिक निगम कोरबा के द्वारा किया गया।

महापौर श्रीमती राजपूत ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन बालिकाओं को सर्वाईकल कैंसर जैसी गंभीर बिमारी से बचाने में महत्वपूण भूमिका निभाता है तथा शिशु संरक्षण माह के महत्व पर प्रकाश डॉलते हुए कहा इस दौरान बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण , विटामिन ए खुराक एवं आयरन फोलिक एसिड एवं पोषण संबंधी सेवाये सुनिश्चित किये जाने से बच्चों का सर्वागींण विकास संभव हो पाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने एचपीवी वैक्सीनेशन तथा शिशु संरक्षण माह के बारे में विस्तार से बताया गया।शिशु संरक्षरण माह के संबंध में उन्होने बताया कि शिशु संरक्षण माह (विटामिन 'ए' अनुपूरण कार्यक्रम)17 मार्च से 21 अप्रेल 2026 तक आयोजित किया जायेगा। इस दौरान शिशु स्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गतिविधियों सफल संचालन व सेवाओं की प्रदायगी का सुदृढ़िकरण किया जाएगा। प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को समस्त शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के ऑगबाड़ी केन्द्रो/टीकाकरण केन्द्रों में निर्धारित सत्रों में 9 माह से 59 माह तक के बच्चों को विटामिन 'ए' तथा 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को आई.एफ.ए.सीरप पिलाया जायेगा। साथ ही टीकाकरण से छूटे हुए तथा नियमित टीकाकरण के लक्षित बच्चों को टीके, एनिमिया स्क्रीनिंग तथा स्तनपान संवर्धन संबंधित गतिविघियॉ किये जायेगें। बच्चों को विटामिन 'ए 'की दवा की नियमित खुराक प्रत्येक 6 माह में एक बार 5 वर्ष तक पिलाने से बच्चों में रतौंधी, श्वांस संक्रमण , बुखार तथा कुपोषण की संभावना कम हो जाती है साथ ही आई.एफ.ए.(आयरन फोलिक एसिड) सीरप खून की कमी को दूर करने में सहायक होता है।

जिले के नागरिको और जनप्रतिनिधियों से अपील है कि अपने क्षेत्र के पात्र किशोरियों का एचपीवी वैक्सीनेशन तथा 0 से 59 माह तक के बच्चो (बालक/बालिकाओं) को निर्धारित सत्रों में ऑगनबाड़ी केन्द्र/स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर आयु अनुसार विटामिन 'ए' तथा आई.एफ.ए. की दवा पिलावें।

पूर्व मंत्री जयसिंह ने चैत्र नवरात्रि पर्व की जिलेवासियों को दी बधाई

लोकसदन ➢➢कोरबा।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने चैत्र नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर कोरबा वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री अग्रवाल ने हिन्दी नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा पर्व की भी क्षेत्रवासियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

श्री अग्रवाल ने अपने शुभकामना संदेश में चैत्र नवरात्रि, हिन्दु नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व के अवसर पर क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्रत एवं त्यौहार भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की धरोहर है। भारत के व्रत एवं त्यौहार देश की सभ्यता एवं संस्कृति के दर्पण है। आज भी हम आत्मिक उन्नति, आत्म कल्याण और लोक मंगल के लिए व्रत रखते हैं और उत्साह के साथ त्यौहार मनाते हैं। श्री अग्रवाल ने चैत्र नवरात के पावन बेला पर दुर्गा मां की आराधना कर क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख - शांति ऐश्वर्य एवं समृद्धि के लिए कामना किया है। श्री अग्रवाल ने हिन्दु नववर्ष के आरंभ अवसर पर जनमन के उल्लास, उमंग, मस्ती और आनंद को दोगुना करने प्रार्थना करते हुए कहा कि यह नववर्ष कोरबावासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और नई उमंग लाए इसके अलावा श्री अग्रवाल ने बसंत ऋतु की शुरूआत, रबी फसल की कटाई और सृष्टि की रचना का प्रतिक गुड़ी पड़वा पर्व (विजय पताका) पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

शंकर नगर में रैली और विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल हुए बड़ी संख्या में जिले के कांग्रेसी

लोकसदन ➢➢कोरबा।

प्रदेश कांग्रेस के द्वारा रायपुर के शंकर नगर में रैली और विधानसभा घेराव कार्यक्रम में कोरबा जिला से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश कुमार राठौर एवं मनोज चौहान के नेतृत्व में कोरबा के कांग्रेस पदाधिकारी रायपुर पहुंचे, जहां इन्होंने रैली एवं विधानसभा घेराव कार्यक्रम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराया साथ ही ये सभी कांग्रेसी नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत एवं पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के निवास पहुंचकर सौजन्य मुलाकात भी किया।

जिला अध्यक्ष मुकेश राठौर ने बताया कि मनरेगा में सुधार के नाम पर रोजगार गारंटी को खत्म करना, बिजली बिल के दरों में बढ़ोत्तरी, धान खरीदी में अनियमितता, घरेलु एवं व्यवसायिक गैस सिलेण्डर के दामों में भारी वृद्धि को लेकर सरकार के खिलाफ उक्त रैली एवं घेराव का कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें कोरबा के शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारी भारी संख्या में पहुंचे थे।

उक्तशय की जानकारी सुरेश कुमार अग्रवाल कार्यालय महामंत्री जिला कांग्रेस कार्यालय कोरबा ने दी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती शालू रोहरा द्वारा डी.बी. कार्प. लिमिटेड, नियर नर्मदा कोल्ड ड्रिंक्स सिरगिट्टी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा मुद्रित और रानी रोड , कोरबा 495677 छग से प्रकाशित। संपादक-श्रीमती सोनकुंवर मैत्री, (पी.आर.बी. कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार) किसी भी विवाद के लिए न्यायालयीन क्षेत्र कोरबा होगा। मो. नं.- 97525-27100